Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 66 | बुधवार, 11 मार्च-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

जल जीवन मिशन को मिला मेगा पुश, मोदी कैबिनेट ने 2028 तक बढ़ाया, 8.69 लाख करोड़ मंजूर

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को जल जीवन मिशन के विस्तार को मंजूरी दे दी, जिसके लिए अतिरिक्त आवंटन बढ़ाकर 8.69 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णयों पर पत्रकारों को जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्र सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय के उस प्रस्ताव को मंजूरी दी है, जिसमें जल जीवन मिशन (जेजेएम) के कार्यान्वयन को बुनियादी ढांचे के निर्माण से हटाकर सेवा वितरण पर केंद्रित करने की बात कही गई है। इसमें पेयजल प्रबंधन और संस्थागत पारिस्थितिकी तंत्र का सहयोग भी शामिल है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में पाइपलाइन के माध्यम से स्थायी रूप से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। संरचनात्मक सुधारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए जेजेएम के पुनर्गठन के लिए मंत्रिमंडल ने कुल आवंटन को बढ़ाकर 8.69 लाख करोड़ रुपये करने की मंजूरी दी है, जिसमें केंद्र की ओर से 3.59 लाख करोड़ रुपये की सहायता शामिल है। यह राशि 2019-20 में स्वीकृत 2.08 लाख करोड़ रुपये से अधिक है, यानी केंद्र की ओर से 1.51 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त हिस्सेदारी है। एक विज्ञप्ति के अनुसार, 'सुजलम भारत' नामक एक समान राष्ट्रीय डिजिटल ढांचा लागू किया जाएगा, जिसके तहत प्रत्येक गांव को एक विशिष्ट सुजल गांव/सेवा क्षेत्र आईडी आवंटित की जाएगी, जो स्रोत से नल तक संपूर्ण पेयजल आपूर्ति प्रणाली का डिजिटल मानचित्रण करेगी।

पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए, जल अर्पण के माध्यम से योजनाओं के शुभारंभ और औपचारिक हस्तांतरण में ग्राम पंचायतों और पशु एवं जल आपूर्ति केंद्रों (वीडब्ल्यूएससी) की भागीदारी होगी। ग्राम पंचायत कार्यों के पूर्ण होने का प्रमाण पत्र तभी जारी करेगी और स्वयं को 'हर घर जल' घोषित करेगी जब राज्य सरकार द्वारा गांव में पर्याप्त संचालन और रखरखाव तंत्र स्थापित किए जाने की पुष्टि हो जाएगी।

यह मानते हुए कि सामुदायिक स्वामित्व और भागीदारी परिचालन दक्षता और स्रोत की स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं, कार्यक्रम 'जल उत्सव' को एक वार्षिक, समुदाय-नेतृत्व वाले रखरखाव और समीक्षा कार्यक्रम के रूप में बढ़ावा देगा, जो स्थानीय सांस्कृतिक मूल्यों को एकीकृत करते हुए पेयजल सुरक्षित भविष्य के लिए सामूहिक जिम्मेदारी को मजबूत करेगा, विज्ञप्ति में कहा गया है। 2019 में नल के पानी के कनेक्शन वाले 3.23 करोड़ (17%) ग्रामीण परिवारों के आधारभूत स्तर से, अब तक जेजेएम के तहत 12.56 करोड़ से अधिक अतिरिक्त ग्रामीण परिवारों को नल के पानी के कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।

दिल्ली में डीटीसी बस हुई बेकाबू, कई लोगों को कुचला, गुस्साई भीड़ ने वाहन में लगाई आग

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के निहाल विहार में दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की एक बस के कई वाहनों से टकराने के बाद दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। इस दुर्घटना के बाद इलाके में आक्रोशित लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और घटनास्थल पर जमा हो गए। प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने दुर्घटनाग्रस्त बस को क्षतिग्रस्त कर दिया और एक अन्य डीटीसी बस में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि बस चालक को हिरासत में ले लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें सुबह करीब 9.45 बजे घटना की सूचना मिली। फोन करने वाले ने बताया कि नजफगढ़ की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार डीटीसी बस ने नजफगढ़-नांगलोई रोड पर कई लोगों को टक्कर मार दी।

पुलिस के अनुसार, बस ने एक स्कूटर, एक मोटरसाइकिल, एक हाथ रिक्शा और कई पैदल यात्रियों को टक्कर मारी, जिसके परिणामस्वरूप दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। अधिकारी घटना की जांच जारी रखे हुए हैं। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान घटनास्थल के पास खड़ी पांच अन्य बसों को भी मामूली नुकसान पहुंचा। पुलिस का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में भारी सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किए गए एक वीडियो में एक डीटीसी बस में आग लगी हुई दिखाई दे रही है, जिसमें आसपास खड़े लोग अपने मोबाइल फोन से वीडियो बना रहे हैं और पृष्ठभूमि में पुलिस सायरन की आवाज सुनाई दे रही है। सूत्रों के अनुसार, बस में लगभग छह यात्री सवार थे, लेकिन उन्हें आग लगने से पहले ही वाहन छोड़ने के लिए कहा गया था।

घटनास्थल से प्राप्त फुटेज में बस के पिछले हिस्से, विशेष रूप से बम्पर और अंडरकैरिज के आसपास, को काफी नुकसान दिखाई दे रहा है। बम्पर टूटा हुआ और उखड़ा हुआ प्रतीत हो रहा था, और प्लास्टिक के टुकड़े वाहन के पीछे सड़क पर बिखरे हुए थे। बस के आगे के हिस्से के कुछ भाग भी लटक रहे थे, और क्षतिग्रस्त हिस्से के पास कुछ केबल या तार लटक रहे थे। पास में खड़ी एक स्कूटर भी क्षतिग्रस्त हो गई, जिसका अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया और रियर-व्यू मिरर टूट गया।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने बताया कि उन्हें सुबह करीब 10 बजे एक बस में आग लगने की सूचना मिली।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- समान नागरिक संहिता लागू करने का समय आ गया, संसद फैसला करे

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर समान नागरिक संहिता लागू करने के विचार का समर्थन करते हुए कहा है कि विवाह, तलाक और उत्तराधिकार जैसे मामलों में अलग अलग समुदायों के लिए लागू पर्सनल लॉ के कारण उत्पन्न जटिलताओं को दूर करने में एक समान नागरिक कानून सहायक हो सकता है। उच्चतम न्यायालय ने यह टिप्पणी मुस्लिम पर्सनल लॉ के कुछ प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई के दौरान की।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति आर. महादेवन भी शामिल थे, इस मामले की सुनवाई कर रही थी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के कुछ प्रावधान महिलाओं के साथ भेदभाव करते हैं।

सुनवाई के दौरान पीठ ने संकेत दिया कि निजी कानूनों में व्यापक न्यायिक हस्तक्षेप कई बार अनपेक्षित परिणाम पैदा कर सकता है।

ऐसे मामलों में संसद द्वारा कानून बनाना अधिक उपयुक्त रास्ता हो सकता है। मुख्य न्यायाधीश सूर्या कांत ने कहा कि इस तरह की समस्याओं का समाधान समान नागरिक संहिता हो सकता है, जिससे सभी नागरिकों के लिए नागरिक मामलों में एक समान कानूनी ढांचा तैयार किया जा सके।

न्यायमूर्ति जयमाल्य बागची ने भी इस मुद्दे पर विस्तार से अपनी राय रखते हुए कहा कि न्यायपालिका ऐसे कानूनों को शून्य घोषित नहीं कर सकती, जब तक कि उसकी जगह कोई व्यापक वैकल्पिक व्यवस्था मौजूद न हो। उन्होंने कहा कि यदि पर्सनल लॉ को अचानक निरस्त कर दिया जाए तो कानूनी शून्यता की स्थिति पैदा हो सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि इस विषय को विधायिका की समझदारी पर छोड़ा जाए, ताकि संसद समान नागरिक संहिता से जुड़ा व्यापक कानून बना सके।

आईटी नियमों पर मोदी सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका, फैक्ट चेक यूनिट पर फिलहाल रोक

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की उस याचिका पर सुनवाई करने की सहमति दे दी, जिसमें बॉम्बे हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें सोशल मीडिया पर सरकार के बारे में फर्जी और भ्रामक सामग्री को नियंत्रित करने के उद्देश्य से सूचना प्रौद्योगिकी नियमों में 2023 में किए गए संशोधनों को रद्द कर दिया गया था।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के 2024 के उस फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसमें संशोधित नियमों को असंवैधानिक घोषित किया गया था।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस आर महादेवन और जॉयमाल्य बागची की बेंच ने मूल याचिकाकताओं, जिनमें स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया और एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैगजीन्स शामिल हैं, को नोटिस जारी किए।

हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इनकार करते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यह बेहतर होगा यदि पूरे मामले का अंतिम निर्णय हो जाए। अदालत का इस मामले को व्यापक रूप से सुलझाने का इरादा स्पष्ट होता है। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की, जिस तरह से कुछ प्लेटफॉर्म काम कर रहे हैं, ऐसी खबरें संस्थानों की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचा सकती हैं स्पष्ट दिशा-निर्देशों की आवश्यकता है, लेकिन इसे फैलाने वालों पर कोई जिम्मेदारी डाले बिना, इस मुद्दे की जांच होनी चाहिए।

केंद्र सरकार ने क्या दलील दी?

सुनवाई के दौरान, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगाने का आग्रह किया और तर्क दिया कि संशोधनों के पीछे सरकार का इरादा 'सामग्री को पूरी तरह से अवरुद्ध करना' नहीं था, बल्कि सरकारी गतिविधियों के बारे में प्रसारित होने वाली गलत सूचनाओं पर अंकुश लगाने के लिए एक तंत्र बनाना था।

उच्च न्यायालय ने फर्जी समाचार विनियमन पर 2023 के संशोधनों को रद्द किया

इससे पहले 26 सितंबर, 2024 को बॉम्बे उच्च न्यायालय ने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में 2023 में किए गए परिवर्तनों को औपचारिक रूप से रद्द कर दिया था। 6 अप्रैल, 2023 को लागू किए गए विवादास्पद नियमों के तहत फैक्ट चेक यूनिट (एफसीयू) को सरकारी मामलों से संबंधित फर्जी या भ्रामक मानी जाने वाली ऑनलाइन पोस्टों की निगरानी और उन्हें चिह्नित करने का काम सौंपा गया था। चिह्नित किए जाने के बाद, सोशल मीडिया मध्यस्थों को या तो सामग्री को हटाना था या एक अस्वीकरण प्रकाशित करना था, ऐसा न करने पर उन्हें कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ सकता था।

अरुणाचल के पासीघाट के जंगल में लगी आग बुझाने के मिशन पर आईएएफ, हेलीकॉप्टर से गिराया 66,000 लीटर पानी

वेलकम इंडिया नेटवर्क

अरुणाचल। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने मंगलवार को पासीघाट के मेबो और सिगार क्षेत्रों में लगी भीषण जंगल की आग से निपटने के लिए एक एमआई-17 वी 5 हेलीकॉप्टर तैनात किया। इसके साथ ही आग पर काबू पाने के लिए 66,000 लीटर पानी छोड़ा।

66,000 लीटर पानी गिराया

एक एक्स पोस्ट में, भारतीय वायु सेना ने उन क्षेत्रों में फैली भीषण आग की तस्वीरें और वीडियो साझा किए। इसके साथ ही एमआई-17 वी 5 हेलीकॉप्टर की मदद से आग बुझाने के प्रयासों को भी दिखाया। पोस्ट में लिखा था, 'IAF ने अरुणाचल प्रदेश में तुरंत प्रतिक्रिया और सटीक परिचालन क्षमता का प्रदर्शन करते हुए पासीघाट के मेबो और सिगार क्षेत्रों में लगी भीषण जंगल की आग से निपटने के लिए ट्र-17 श5 हेलीकॉप्टर तैनात किया। कई उड़ानों के दौरान, आईएएफ ने आग पर काबू पाने और आसपास की बस्तियों को बचाने के लिए 66,000 लीटर पानी छोड़ा।'

इससे पहले 18 फरवरी को, भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने पूर्वोत्तर में दो अलग-अलग मोर्चों पर भयंकर जंगल की आग से मुकाबला किया। इसमें दुर्गम इलाकों और बेहद कठिन उड़ान परिस्थितियों में भारी-भरकम हेलीकॉप्टरों को तैनात किया गया। अरुणाचल प्रदेश के वालॉन्ग में, भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टरों ने प्रभावित क्षेत्र पर 139,800 लीटर पानी गिराने के बाद एक भीषण आग को सफलतापूर्वक बुझा दिया।

इसी बीच, भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और भारतीय सेना ने 8 मार्च, 2026 को उत्तराखंड की टिहरी झील के ऊपर कॉम्बैट फ्री-फॉल और स्टैटिक लाइन पैरा-ड्रॉप के माध्यम से अपनी परिचालन क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए एक संयुक्त अभ्यास किया।

इस अभ्यास ने विभिन्न सेवाओं के बीच निर्बाध तालमेल का प्रदर्शन किया, जिससे बलों की एक साथ प्रभावी ढंग से काम करने की क्षमता उजागर हुई।

एलपीजी संकट के बीच एक्शन मोड में पीएम मोदी, संसद भवन में हरदीप पुरी से की मुलाकात, जयशंकर भी रहे मौजूद

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठक की, जिसमें एलपीजी आपूर्ति की समीक्षा की गई और ईरान के साथ चल रहे युद्ध से उत्पन्न होने वाली संभावित बाधाओं का आकलन किया गया। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर बढ़ते दबाव के बीच, केंद्र सरकार ने मंगलवार को घरेलू ईंधन बाजार को संभावित व्यवधानों से बचाने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम (ईसी एक्ट) लागू किया। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा है कि एक नियंत्रण आदेश जारी किया गया है जिसमें रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल इकाइयों को द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) उत्पादन बढ़ाने और देश भर में खाना पकाने की गैस की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख हाइड्रोकार्बन धाराओं को एलपीजी पूल में डालने का निर्देश दिया गया है। इंडियन ऑयल कॉर्प लिमिटेड ने कहा कि वैश्विक ईंधन आपूर्ति को प्रभावित करने वाली

वर्तमान भू-राजनीतिक बाधाओं को देखते हुए, एलपीजी उत्पादन बढ़ाने और घरेलू उपभोक्ताओं तथा अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों जैसे आवश्यक गैर-घरेलू क्षेत्रों के लिए इसकी उपलब्धता को प्राथमिकता देने के लिए कदम उठाए गए हैं। अन्य गैर-घरेलू क्षेत्रों से प्राप्त अनुरोधों की समीक्षा तेल विपणन कंपनियों के कार्यकारी निदेशकों की एक समिति द्वारा की जाएगी और योग्यता, आवश्यकता और उत्पाद की उपलब्धता के आधार पर उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। हरियाणा के खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से कुछ दिनों के लिए व्यावसायिक सिलेंडरों पर प्रतिबंध लगाने का दिशानिर्देश जारी किया गया है। 21 से 25 दिनों के बीच सिलेंडर बुकिंग के संबंध में भी एक सलाह जारी की गई है। उन्होंने बताया कि खाद्य आपूर्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने आज शाम सभी तेल कंपनियों के साथ बैठक बुलाई है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार ने एलपीजी की उपलब्धता से संबंधित आंकड़े मांगे हैं। खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड को लिखे पत्र में कहा गया है कि अधिकारी, मुख्यमंत्री और मंत्री हरियाणा में गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। राज्य के सभी उपायुक्तों और डीएफसी को गैस सिलेंडरों से संबंधित दैनिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। राजस्थान होटल एसोसिएशन फेडरेशन के गजेंद्र लूनीवाल ने कहा कि होटल मालिकों में तनाव बढ़ रहा है और सरकार को वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए। सिलेंडर न मिलने पर होटल और रेस्तरां ठप्प हो जाएंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में होटल मालिक अपना खर्च कैसे चला पाएंगे।

केंद्र के निर्देश के बाद रिफाइनरियों ने बढ़ाया एलपीजी उत्पादन: 10 फीसदी की बढ़ोतरी: औद्योगिक आपूर्ति में कटौती

घरेलू उपभोक्ताओं को रसोई गैस (एलपीजी) की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए देश की तेल रिफाइनरियों ने एलपीजी का उत्पादन करीब 10 प्रतिशत बढ़ा दिया है। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, तेल रिफाइनरियों में एलपीजी उत्पादन लगभग 10 प्रतिशत बढ़ाया गया है और सभी रिफाइनरियां 100 प्रतिशत क्षमता पर काम कर रही हैं। केंद्र सरकार के निर्देश के बाद उत्पादन बढ़ाने के इस कदम से संभावित आपूर्ति बाधित होने को लेकर उठ रही चिंताओं को कम करने में मदद मिली है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार ने घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग और अनियमितताओं को रोकने के लिए नए गैस सिलिंडर की बुकिंग के बीच प्रतीक्षा अवधि भी 21 दिनों से बढ़ाकर 25 दिन कर दी है। एलपीजी की आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंका को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में रसोई गैस की संभावित कमी से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई। गुजरात सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर औद्योगिक गैस के उपयोग में 50 फीसदी की कटौती की है। राज्य के ऊर्जा मंत्री ऋषिकेश पटेल ने घरेलू एलपीजी वितरण में कोई बाधा न आने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि राज्य और केंद्र सरकार मिलकर काम कर रही हैं ताकि घरों में खाना पकाने वाली गैस की कमी न हो। सरकार ने घरेलू खपत को प्राथमिकता देने के लिए कुछ औद्योगिक उपयोगों पर प्रतिबंध लगाए हैं। उद्योगों को गैस आपूर्ति में 50 फीसदी की कटौती की गई है।

संपादक की कलम से

विकास का खूँटा और बँधी हुई जनता

ललित शर्मा
संपादक

गाँव की उस ऊसर जमीन पर, जहाँ दूब भी उगने से पहले पटवारी से एनओसी माँगती है, वहाँ आज 'विकास' का तंबू गड़ा था। लाउडस्पीकर अपनी फटी आवाज में वह राग अलाप रहा था, जिसे सुनकर मोहल्ले के कुत्ते भी दार्शनिक हो गए थे। सामने बैठी जनता का हाल यह था कि वे धूप में ऐसे तप रहे थे जैसे तवे पर चढ़ी हुई रोटियाँ, जिन्हें पलटने वाला कोई नहीं था। मंच पर सफेदपोश नेताओं की ऐसी कतार थी, मानो किसी ने सफेद बगुलों को जबरदस्ती कुर्ता-पजामा पहनाकर कुर्सी पर चिपका दिया हो। बीच में बैठे मुख्य अतिथि महोदय के चेहरे पर वैसी ही गंभीर निष्ठुरता थी, जैसी किसी पुरानी फाइल पर जमी धूल में होती है। वे मुस्कुराते तो ऐसा लगता मानो उनके गालों की मांसपेशियां किसी सरकारी बजट की तरह खींचतान कर रही हों। बगल में बैठा चमचा बार-बार उनके कान में कुछ फुसफुसाता और अतिथि महोदय ऐसे सिर हिलाते जैसे किसी खराब पंखे का रेगुलेटर झटके ले रहा हो। मंच संचालन करने वाला व्यक्ति कविता का वह प्रेमी था, जिसने तुकबंदी के चक्कर में सरस्वती की हत्या को ही अपना धर्म मान लिया था। उसने 'भाइयों और बहनों' का संबोधन कुछ इस अंदाज में किया जैसे वह किसी को गाली दे रहा हो। उसने मंच से घोषणा की कि आज इस गाँव में 'स्मार्ट पंचायत' का उद्घाटन होगा, जहाँ गोबर भी अब वाई-फाई की गति से उठाया जाएगा। जनता ने इस पर वैसी ही तालियाँ बजाईं जैसी किसी अनचाही शादी में बाराती बजाते हैं। पास ही खड़ा एक बूढ़ा अपनी लाठी पर ठुड्डी टिकाए यह सोच रहा था कि जिस गाँव में बिजली सिर्फ 'भविष्यवाणी' की तरह कभी-कभार आती है, वहाँ वाई-फाई का क्या होगा? पर सरकारी फाइल में गाँव अब डिजिटल हो चुका था, और फाइल ही वह परम सत्य है जिसे ब्रह्मा भी नहीं काट सकते। तभी विकास की वह देवी मंच पर अवतरित हुई, जिसे शहर में 'एनजीओ' और गाँव में 'मुफ्त की आफत' कहा जाता था। उन्होंने माइक सँभाला और शुद्ध अंग्रेजी मिश्रित हिंदी में भाषण देना शुरू किया। उन्होंने कहा कि हमें 'सस्टेनेबल' होना चाहिए, जबकि सामने बैठा किसान यह समझ रहा था कि शायद मैडम किसी नई किस्म की खाद का नाम ले रही हैं। उन्होंने 'महिला सशक्तिकरण' पर इतना जोर दिया कि मंच की लकड़ी चरचराने लगी। उन्होंने समझाया कि गाँव की औरतें अब फेसबुक पर अपने हाथ के बुने स्वेटर बेचेंगी, भले ही गाँव में मोबाइल सिग्नल पकड़ने के लिए पीपल के पेड़ की सबसे ऊँची टहनी पर चढ़ना पड़ता हो। भाषण के अंत में उन्होंने 'परिवर्तन' शब्द को ऐसे उछाला जैसे कोई बाजीगर हवा में खाली टोपी उछालता है और जनता से उम्मीद करता है कि उसमें से खरगोश निकलेगा। अगला चरण था लोकार्पण का। मुख्य अतिथि ने एक फीता काटा, जो शायद पिछले दस सालों से हर छोटी-बड़ी योजना के लिए सुरक्षित रखा गया था। कैंची ऐसी थी कि उसने फीता काटने से पहले अतिथि की उंगली काटने की कोशिश की, जिससे अतिथि के चेहरे पर 'अहिंसा' के भाव आ गए। जैसे ही पर्दा हटा, सामने एक चमचमाता हुआ बोर्ड था जिस पर लिखा था—₹आदर्श ई-चौपाल₹। भीतर जाकर देखा तो एक कंप्यूटर रखा था, जिस पर धूल की इतनी मोटी परत थी कि उस पर कोई भी अनुभवी पटवारी अपनी पूरी वंशावली लिख सकता था। बिजली के तार ऐसे लटके थे जैसे किसी ने मकड़ी को नशा कराकर जाल बुनने को कह दिया हो। एक उत्साही कार्यकर्ता ने जैसे ही स्विच दबाया, बोर्ड से ऐसी चिनगारी निकली जैसे कोई छोटा-मोटा परमाणु परीक्षण हुआ हो।

जंगल सीसक रहे हैं

संजीव ठाकुर

कविता

धरती जल रही, जंगल सिसक रहे,
हवा में धुआँ, पंछी विलुप्त हो रहे।

सुखी नदियां तालाब वीरान
गूँजती आहें उपवन सुनसान।

बर्फ पिघलती समुद्र अब उबलते,
लालसा से पंछियों के घरौंदे जलते।

धूप तेज,कम बारिश तड़प धरा रही,
प्रकृति की पुकार कहीं गुम हो रही।

तितलियों रंग मिटते, पंछी तड़प रहे,
वृक्ष बचाओ अब यह पंछी कह रहे ।

प्लास्टिक प्रदूषण, धुआँ और कार्बन,
कर रहे नष्ट समूचा मानवीय जीवन ।

है समाधान,साफ और सुलभ राहें,
वृक्ष लगाओ स्वच्छ हवा हमें पुकारे।

आओ मिलकर कदम बढ़ाएँ पृथ्वी पुकारे,
सहेजें हरा जंगल, नदियों को संवारें।

धरती हमारी माँ है, है हमें उसे बचाना,
प्रकृति से करो प्रेम, है पर्यावरण को सजाना।

पेड़ लगाकर धरती को शीतल रखें,
स्वच्छ हवा पानी देकर इतिहास रचें।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

फॉलोअर्स की भूख और रिश्तों की नीलामी

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

डिजिटल युग ने अभिव्यक्ति के नए दरवाजे खोले हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात दुनिया तक पहुँचाने का अवसर दिया है। पहले जहां सूचना और मनोरंजन के साधन सीमित थे, वहीं आज कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल फोन के जरिए वीडियो बना सकता है, ब्लॉग लिख सकता है और लाखों लोगों तक अपनी बात पहुँचा सकता है। यह बदलाव लोकतांत्रिक भी है और प्रेरणादायक भी। लेकिन हर बदलाव के साथ कुछ नई चुनौतियाँ भी जन्म लेती हैं।

आज सोशल मीडिया की दुनिया में लोकप्रियता की एक नई परिभाषा बन चुकी है—फॉलोअर्स, लाइक्स, शेयर और व्यूज। जितने ज्यादा ये आंकड़े होते हैं, उतना ही किसी व्यक्ति को सफल माना जाता है।

इसी होड़ ने कई कंटेंट क्रिएटर्स को ऐसी राह पर ला खड़ा किया है, जहां निजी जीवन की मयार्दाएं भी कंटेंट का हिस्सा बनती जा रही हैं।

बीते कुछ वर्षों में एक नया ट्रेंड तेजी से उभरा है—पारिवारिक झगड़ों और निजी विवादों को कैमरे के सामने लाकर सोशल मीडिया पर साझा करना। पति-पत्नी के विवाद, भाई-बहन के मतभेद, सास-बहू की तकरार या परिवार के अंदर की छोटी-छोटी बहसें—जो पहले घर की चारदीवारी में सुलझा ली जाती थीं—अब वीडियो और पोस्ट के रूप में लाखों दर्शकों के सामने परोसी जा रही हैं।

कई यूट्यूबर्स और ब्लॉगर इसे 'रियल लाइफ कंटेंट' का नाम देते हैं। उनका तर्क होता है कि दर्शक वास्तविकता देखना चाहते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर वास्तविक घटना को सार्वजनिक करना जरूरी है? क्या निजी रिश्तों को दर्शकों की जिज्ञासा के लिए खोल देना उचित है?

असल में सोशल मीडिया का एल्गोरिथ्म भी इस प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। जिस कंटेंट में विवाद, भावनात्मक प्रतिक्रिया या सनसनी होती है, वह तेजी से वायरल होता है। लोग ऐसे वीडियो पर ज्यादा कमेंट करते हैं, अपनी राय देते हैं और कभी-कभी पक्ष या विपक्ष में बहस भी करते हैं। यही कारण है कि कुछ क्रिएटर्स जानबूझकर ऐसे विषय चुनते हैं जो लोगों की भावनाओं को भड़का सकें।

दुर्भाग्य की बात यह है कि कई बार ये झगड़े वास्तविक होते हैं और परिवार के सदस्यों की निजता दांव पर लग जाती है। एक छोटी सी तकरार को कैमरे के सामने लाकर बड़ा मुद्दा बना दिया जाता है।

इससे न केवल रिश्तों की गरिमा प्रभावित होती है, बल्कि परिवार के अन्य सदस्यों—विशेषकर बच्चों—पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है।

कुछ मामलों में तो यह भी देखने में आया है कि विवादों को जानबूझकर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है या फिर पूरी तरह से स्क्रिप्टेड होता है। यानी झगड़ा असली नहीं होता, लेकिन उसे असली दिखाने की कोशिश की जाती है ताकि दर्शकों का ध्यान खींचा जा सके। यह स्थिति मनोरंजन और वास्तविकता के बीच की रेखा को धुंधला कर देती है।

सोशल मीडिया के इस दौर में ह्लवायरलह्व होना ही सफलता का पर्याय बन गया है। जब किसी वीडियो को लाखों व्यूज मिलते हैं और हजारों नए फॉलोअर्स जुड़ते हैं, तो क्रिएटर को लगता है कि उसने सही रास्ता चुना है। लेकिन यह लोकप्रियता अक्सर क्षणिक होती है। जिस विवाद ने एक दिन दर्शकों का ध्यान खींचा, वही अगले दिन किसी और नए विवाद से दब जाता है।

इस प्रवृत्ति का एक सामाजिक पहलू भी है। जब दर्शक बार-बार ऐसे कंटेंट देखते हैं, तो धीरे-धीरे उन्हें यह सामान्य लगने लगता है कि निजी रिश्तों को सार्वजनिक मंच पर लाकर चर्चा का विषय बनाया जाए। इससे समाज में गोपनीयता और मयार्दा की भावना कमजोर पड़ सकती है।

हमारे समाज में परिवार को हमेशा एक मजबूत संस्था माना गया है। परिवार केवल साथ रहने की व्यवस्था नहीं है, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा, विश्वास और आपसी समझ का आधार भी है। जब परिवार के अंदर की समस्याओं को सार्वजनिक तमाशा बना दिया जाता है, तो यह उस भरोसे को कमजोर करता है जो रिश्तों की नींव होता है।

इसके अलावा, सोशल मीडिया पर आने वाले दर्शकों में बड़ी संख्या युवा और किशोरों की भी होती है। वे जो कुछ देखते हैं, उससे प्रभावित होते हैं। अगर वे बार-बार यह देखेंगे कि लोकप्रियता पाने के लिए निजी विवादों को सार्वजनिक करना सामान्य बात है, तो उनके मन में भी यही धारणा बन सकती है कि जीवन में सफलता के लिए किसी भी हद तक जाना स्वीकार्य है।

यह भी सच है कि सभी कंटेंट क्रिएटर्स ऐसे नहीं होते। बहुत से यूट्यूबर्स, ब्लॉगर और डिजिटल क्रिएटर्स ऐसे भी हैं जो ज्ञानवर्धक, रचनात्मक और सकारात्मक सामग्री प्रस्तुत करते हैं।

शिक्षा, विज्ञान, कला, संस्कृति, यात्रा और सामाजिक मुद्दों पर काम करने वाले अनेक लोग सोशल मीडिया को एक सकारात्मक मंच के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। उनके प्रयास यह साबित करते हैं कि लोकप्रियता पाने के लिए विवाद और ड्रामा ही एकमात्र रास्ता नहीं है।

असल सवाल जिम्मेदारी का है। जब किसी के पास हजारों या लाखों लोगों तक पहुंचने की ताकत होती है, तो उसके साथ एक सामाजिक जिम्मेदारी भी जुड़ जाती है। कंटेंट क्रिएटर्स को यह समझना चाहिए कि उनकी सामग्री केवल मनोरंजन ही नहीं करती, बल्कि लोगों की सोच और दृष्टिकोण को भी प्रभावित करती है। दर्शकों की भी इसमें भूमिका कम नहीं है।

आखिर वही तय करते हैं कि किस प्रकार का कंटेंट ज्यादा देखा जाएगा और किसे नजरअंदाज किया जाएगा। अगर दर्शक केवल सनसनी और विवाद वाले वीडियो को ही बढ़ावा देंगे, तो स्वाभाविक है कि ऐसे कंटेंट की संख्या बढ़ती जाएगी। लेकिन अगर वे रचनात्मक और सकारात्मक सामग्री को अधिक समर्थन देंगे, तो डिजिटल दुनिया का माहौल भी बदल सकता है।

आज जरूरत इस बात की है कि सोशल मीडिया के उपयोग में संतुलन और समझदारी लाई जाए। निजी जीवन की सीमाएं तय की जाएं और यह समझा जाए कि हर घटना को सार्वजनिक करना आवश्यक नहीं होता।

लोकप्रियता और फॉलोअर्स का महत्व अपनी जगह है, लेकिन रिश्तों की गरिमा और व्यक्तिगत सम्मान उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। अंततः यह याद रखना जरूरी है कि सोशल मीडिया एक साधन है, लक्ष्य नहीं। इसका उपयोग ज्ञान, संवाद और सकारात्मक बदलाव के लिए किया जा सकता है।

लेकिन जब यह केवल लोकप्रियता की अंधी दौड़ में बदल जाता है, तो इसके दुष्परिणाम भी सामने आने लगते हैं। फॉलोअर्स और व्यूज की यह भूख अगर इसी तरह बढ़ती रही, तो कहीं ऐसा न हो कि एक दिन लोग लोकप्रिय तो हो जाएं, लेकिन अपने ही रिश्तों और मूल्यों से दूर हो जाएं।

इसलिए समय रहते यह समझना जरूरी है कि सच्ची सफलता वही है, जो सम्मान और संवेदनशीलता के साथ हासिल की जाए—न कि रिश्तों की नीलामी करके।

सादगी भरी शादियाँ: अमीर लोगों को समाज के लिए उदाहरण क्यों बनना चाहिए

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

भारत में शादी सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं बल्कि एक बड़ा सामाजिक आयोजन भी माना जाता है। यहाँ शादी में परिवार, रिश्तेदार, दोस्त और पूरा समाज शामिल होता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में शादियों का स्वरूप बहुत बदल गया है।

आजकल कई शादियाँ इतनी भव्य और महंगी हो गई हैं कि उनमें करोड़ों रुपये तक खर्च किए जाते हैं। बड़े-बड़े होटल, महंगे कपड़े, विदेशी सजावट, मशहूर कलाकारों के कार्यक्रम और कई दिनों तक चलने वाले समारोह अब आम बात हो गए हैं।

ऐसी शादियों का सबसे बड़ा प्रभाव समाज के मध्यम और गरीब वर्ग पर पड़ता है। जब समाज में अमीर लोग बहुत महंगी शादियाँ करते हैं तो बाकी लोगों पर भी वैसी ही शादी करने का दबाव बनने लगता है। कई परिवार अपनी आर्थिक क्षमता से अधिक खर्च करने लगते हैं। कई बार तो लोग कर्ज लेकर शादी करते हैं ताकि समाज में उनकी प्रतिष्ठा बनी रहे।

यही कारण है कि आज शादी कई परिवारों के लिए खुशी के साथ-साथ आर्थिक बोझ भी बन जाती है। ऐसे समय में समाज के बड़े और संपन्न लोगों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है।

अगर जिन लोगों के पास बहुत पैसा है वे सादगी से शादी करें, तो यह पूरे समाज के लिए एक अच्छा उदाहरण बन सकता है। इससे यह संदेश जाएगा कि शादी की खुशी दिखावे या खर्च से नहीं बल्कि रिश्तों और संस्कारों से होती है।

इतिहास में हमें ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं जहाँ बड़े और सम्मानित लोगों ने सादगी को महत्व दिया। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की शादी इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। उन्होंने दहेज लेने से साफ मना कर दिया था और केवल एक चरखा और कुछ कपड़े ही स्वीकार किए थे। उस समय भी समाज में दहेज और खर्च की परंपरा थी, लेकिन उन्होंने सादगी और सिद्धांतों को प्राथमिकता दी।

इसी तरह प्रसिद्ध उद्योगपति नारायण मूर्ति और समाजसेवी लेखिका सुधा मूर्ति की शादी भी बहुत साधारण तरीके से हुई थी।

उस समय उनके पास बहुत अधिक पैसा नहीं था, लेकिन बाद में जब वे बहुत सफल और संपन्न बने तब भी उन्होंने हमेशा सादगी और जिम्मेदारी का संदेश दिया। सुधा मूर्ति अक्सर कहती हैं कि शादी में फिजूल खर्च करने के बजाय पैसा शिक्षा और समाज सेवा में लगाया जाना चाहिए।

इसके विपरीत आधुनिक समय में कुछ शादियाँ इतनी भव्य हो गई हैं कि वे एक तरह से प्रदर्शन का माध्यम बन जाती हैं। उदाहरण के लिए अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बनी।

इसी तरह ईशा अंबानी और आनंद पीरामल की शादी भी बहुत बड़े स्तर पर आयोजित की गई थी। इन शादियों में कई बड़े उद्योगपति, अंतरराष्ट्रीय कलाकार और फिल्म सितारे शामिल हुए।

हालाँकि यह भी सच है कि जिन लोगों के पास पैसा है, वे अपनी खुशी के लिए खर्च करने का अधिकार रखते हैं। बड़ी शादियों से होटल उद्योग, सजावट, कैटरिंग, संगीत, फोटोग्राफी और कई अन्य क्षेत्रों में हजारों लोगों को रोजगार भी मिलता है। इसलिए पूरी तरह से बड़ी शादियों की आलोचना करना भी उचित नहीं है।

फिर भी समाज के हित को ध्यान में रखते हुए यह अपेक्षा की जाती है कि बड़े और प्रभावशाली लोग संतुलन बनाए रखें। अगर वे सादगी और जिम्मेदारी का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे तो समाज में सकारात्मक बदलाव आ सकता है। जब लोग देखेंगे कि अमीर परिवार भी साधारण तरीके से शादी कर रहे हैं, तो मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग पर अनावश्यक खर्च करने का दबाव कम हो जाएगा।

आज भारत में कई युवा भी इस विषय पर नए विचार अपना रहे हैं। वे सादगी से शादी करने को प्राथमिकता दे रहे हैं। कुछ लोग मंदिर में विवाह करते हैं, कुछ लोग कोर्ट मैरिज करते हैं और उसके बाद परिवार के साथ छोटा सा कार्यक्रम रखते हैं। इससे खर्च कम होता है और शादी का मूल उद्देश्य भी बना रहता है।

साधारण शादी के कई फायदे भी हैं। सबसे पहला फायदा यह है कि परिवार को आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ता। कई बार शादी के खर्च के कारण परिवार वर्षों तक कर्ज में डूबे रहते हैं।

अगर शादी सादगी से हो तो यह समस्या कम हो सकती है। दूसरा फायदा यह है कि पैसा बचाकर उसे किसी उपयोगी काम में लगाया जा सकता है, जैसे बच्चों की शिक्षा, घर की जरूरतें या समाज सेवा।

इसके अलावा सादगी से शादी करने से सामाजिक समानता का संदेश भी जाता है। समाज में अमीर और गरीब के बीच जो दिखावे की खाई बढ़ रही है, उसे कम करने में भी यह मददगार हो सकता है।

मीडिया और सोशल मीडिया का भी इस विषय में बड़ा प्रभाव है। आजकल शादी की तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर बहुत तेजी से फैलते हैं। जब लोग भव्य और महंगी शादियाँ देखते हैं तो उनके मन में भी वैसी ही शादी करने की इच्छा पैदा होती है। इसलिए जरूरी है कि सादगी भरी शादियों को भी उतना ही महत्व दिया जाए और उन्हें समाज में प्रेरणा के रूप में प्रस्तुत किया जाए।

सरकार और सामाजिक संस्थाएँ भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कई जगहों पर सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जहाँ कम खर्च में कई जोड़ों की शादी करवाई जाती है। इससे गरीब परिवारों को बहुत राहत मिलती है और समाज में सादगी का संदेश भी फैलता है।

अंत में यह समझना जरूरी है कि शादी का असली अर्थ दिखावा नहीं बल्कि दो लोगों का साथ और दो परिवारों का मिलन है। खुशियाँ महंगे कपड़ों, बड़ी सजावट या भव्य कार्यक्रमों से नहीं बल्कि प्यार, विश्वास और संस्कारों से बनती हैं।

इसलिए यदि समाज के बड़े और संपन्न लोग सादगी से शादी करके उदाहरण प्रस्तुत करें, तो यह पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन सकता है। इससे न केवल अनावश्यक खर्च कम होगा बल्कि समाज में संतुलन, जिम्मेदारी और सादगी की भावना भी मजबूत होगी।

वास्तव में एक अच्छी शादी वही है जिसमें खुशी हो, सम्मान हो और परिवारों का स्नेह हो। अगर यह सब सादगी के साथ हो जाए, तो वही सबसे बड़ा उत्सव बन जाता है।

वैश्विक सहिष्णुता का मार्ग शस्त्रों से नहीं शांतिपूर्ण सह अस्तित्व से ही संभव

विवेक रंजन श्रीवास्तव
लेखक

धर्म और आस्था सदैव से मानवीय चेतना का आधार रहे हैं, लेकिन समय के साथ एक ही विचार की कई धाराएं बन जाती हैं। जैसे एक ही वृक्ष से निकली विभिन्न शाखाएं अलग-अलग दिशाओं में फैलती हैं, वैसे ही दुनिया के हर बड़े धर्म में उप-संप्रदाय विकसित हुए।

ईसाई धर्म में जहाँ 'कैथोलिक' और 'प्रोटेस्टेंट' के बीच ऐतिहासिक संघर्ष रहे, वहीं बौद्ध धर्म 'हीनयान' और 'महायान' में बँटा।

जैन धर्म में 'दिगंबर' और 'श्वेतांबर' की अपनी परंपराएं हैं। यह विभाजन अक्सर मूल सिद्धांतों पर नहीं, बल्कि उत्तराधिकार और व्याख्याओं के मतभेद से उत्पन्न होता है।

इस्लाम धर्म भी इसका अपवाद नहीं है, जहाँ 'सुन्नी' और 'शिया' दो ऐसी धाराएं हैं जिनका इतिहास आज पूरी दुनिया की राजनीति को प्रभावित कर रहा है।

इस्लाम में इस विभाजन की नींव पैगंबर मोहम्मद के बाद उनके उत्तराधिकार के प्रश्न पर पड़ी। सुन्नी समुदाय, जो कुल मुस्लिम जनसंख्या का लगभग 85 से 90 प्रतिशत है, 'सुन्ना' यानी पैगंबर की परंपराओं में विश्वास रखना है।

उनका मानना है कि पैगंबर के बाद समुदाय के सबसे योग्य व्यक्ति (खलीफा) को नेतृत्व करना चाहिए था। इसके विपरीत, शिया समुदाय का मानना है कि नेतृत्व का अधिकार केवल पैगंबर के परिवार, विशेषकर उनके दामाद हजरत अली और उनके वंशजों को ही था।

आज ये दोनों समुदाय दुनिया भर में फैले हुए हैं। सुन्नी जनसंख्या मुख्य रूप से इंडोनेशिया (लगभग 23 करोड़), पाकिस्तान (20 करोड़), सऊदी अरब और मिस्र जैसे देशों में बहुसंख्यक है। वहीं, शिया समुदाय ईरान (लगभग 8 करोड़), इराक, अजरबैजान और बहरीन जैसे देशों में प्रमुखता से है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जब हम ईरान और मध्य-पूर्व के युद्धों को देखते हैं, तो यह केवल धार्मिक मतभेद नहीं रह जाता। ईरान आज दुनिया का सबसे शक्तिशाली शिया राष्ट्र है, जबकि सऊदी अरब खुद को सुन्नी जगत का केंद्र मानता है।

इनके बीच का संघर्ष असल में 'क्षेत्रीय वर्चस्व' की लड़ाई है। ईरान अपना प्रभाव इराक, सीरिया और यमन तक बढ़ाना चाहता है, जिसे सुन्नी देश अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानते हैं।

हालांकि, इतिहास में शांति की कोशिशें भी हुई हैं। सन 1990 के दशक में सऊदी अरब और ईरान के बीच संबंधों को सुधारने के लिए 'अकबा समझौता' हुआ था, और हाल ही में 2023 में चीन की मध्यस्थता से दोनों देशों ने अपने राजनयिक संबंध फिर से बहाल किए हैं। ये छोटे कदम बताते हैं कि कूटनीति से बड़ी से बड़ी दरार भरी जा सकती है।

ग्लोबल शांति की स्थापना के लिए सबसे पहले धर्म को सत्ता की राजनीति से अलग करना होगा। जब तक राजनेता आम जनता की धार्मिक भावनाओं को युद्ध के लिए उकसाएंगे, शांति संभव नहीं है।

दुनिया को एक ऐसे मंच की जरूरत है जहाँ सुन्नी और शिया नेतृत्व आपसी संवाद से उन ऐतिहासिक घावों को भर सकें।

दुखद है कि कथित रूप से स्व घोषित वैश्विक नेतृत्व संभाले हुए एक चुने हुए सबसे पुराने लोकतांत्रिक देश के नेता समस्या से स्वयं अपना राजनैतिक लाभ उठाने के चक्कर में युद्ध भड़काने में अधिक प्रभावी भूमिका निभाते दिखते हैं।

भारत जैसे देश, जहाँ शिया और सुन्नी दोनों समुदाय सदियों से शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व के साथ रह रहे हैं, पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल बन सकते हैं।

अंततः शांति का मार्ग शस्त्रों से नहीं, बल्कि उस मानवीय मर्म से ही निकलेगा जो सिखाता है कि 'इंसानियत' ही सबसे बड़ा धर्म है। यदि हम आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य देना चाहते हैं, तो हमें कट्टरता की दीवारों को गिराकर सहिष्णुता के सेतु बनाने होंगे।

बसंत उत्सव में कपकोट के प्रगतिशील किसान दीपक सिंह गढ़िया को राज्यपाल ने किया सम्मानित

सीडीओ और जिलाधिकारी ने भी किया सम्मानित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बागेश्वर। गोविन्द मेहता, बागेश्वर जिले के विकासखंड कपकोट के ग्राम सभा पोथिंग के प्रगतिशील किसान दीपक सिंह गढ़िया को देहरादून स्थित राजभवन में आयोजित बसंत उत्सव के अवसर पर उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह द्वारा प्रदेश स्तरीय उत्कृष्ट कृषक का प्रथम पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

दीपक सिंह गढ़िया पिछले लगभग आठ वर्षों से आधुनिक तकनीकों के माध्यम से खेती कर क्षेत्र में नई पहचान बना रहे हैं। उन्होंने पारंपरिक खेती के साथ-साथ सब्जी उत्पादन, पुष्प उत्पादन, औषधीय पौधों की खेती तथा मशरूम उत्पादन को अपनाकर कृषि को व्यावसायिक स्वरूप दिया है।उन्होंने पांच वर्षों तक मशरूम उत्पादन किया तथा मशरूम से अचार जैसे मूल्यवर्धित उत्पाद भी तैयार किए।

सब्जी उत्पादन के अंतर्गत वे टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च, फूलगोभी, बंदगोभी, ब्रोकली, मटर और मूली जैसी विभिन्न सब्जियों का उत्पादन कर रहे हैं।कोविड काल के दौरान उन्होंने एशियाटिक एवं ओरिएंटल लिलियम फूलों की खेती की शुरूआत की।

वर्तमान में वे जरबेरा फूल की व्यावसायिक खेती कर रहे हैं।जिससे वर्षभर फूलों का उत्पादन हो रहा है। उनके द्वारा उत्पादित फूल हल्द्वानी और दिल्ली के फूल बाजारों तक भेजे जाते हैं, जिससे उन्हें अच्छा आर्थिक लाभ प्राप्त हो रहा है।उद्यान विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए पॉलीहाउस तथा विभिन्न कृषि संस्थानों के तकनीकी मार्गदर्शन से उनकी खेती निरंतर प्रगति कर रही है।

उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणादायक बन रही है।दीपक की मेहनत को देखते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

स्वतंत्रता सेनानी वफाउर्रहमान जामई को 112वीं जयंती पर किया याद, स्कूल में भी श्रद्धांजलि अर्पित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

टांडा(रामपुर)। नगर के एकमात्र स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय वफाउर्रहमान जामई की 112वीं जयंती मंगलवार को उनके पैतृक निवास पर भावपूर्ण ढंग से मनाई गई। परिजनों ने कुरान-ए-पाक की तिलावत कर उनकी मगफिरत के लिए दुआएं मांगीं और उनके देशभक्ति के योगदान को याद किया।

इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी के छोटे बेटे सईद रहमानी, पोते डॉ. असद रहमानी, नावेद रहमानी, जुनेद रहमानी, सरताज जहां रहमानी, फहद रहमानी, कहकशां रहमानी, अफीफा रहमानी सहित परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर उनके आदर्शों को याद करते हुए खिराजे अकीदत पेश किया।

वहीं, सनराइज इंटर कॉलेज टांडा में भी शिक्षकों और छात्रों ने वफाउर्रहमान जामई साहब को याद किया।प्रधानाचार्य निहाद रहमानी के नेतृत्व में दीप सिंह, राशिद सर, राजेश सर, उस्मान सर, सौरभ सिंह सहित अन्य अध्यापकों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वफाउर्रहमान जामई ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न आंदोलनों में सक्रिय भाग लिया था। नगर में वे एकमात्र ऐसे स्वतंत्रता सेनानी के रूप में जाने जाते हैं, जिन्होंने देश की आजादी के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी स्मृति में हर वर्ष जन्मदिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो उनकी अमर विरासत को जीवित रखते हैं। परिवार और संस्थान के सदस्यों ने कहा कि वफा साहब की देशभक्ति और ईमानदारी आज भी प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है।

मन्नत रंधावा,आरुषि और दिव्याना इंटरनेशनल प्राइड ऑफ वीमेन अवार्ड 2026 से सम्मानित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

कांगड़ा(हिमाचल प्रदेश)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर शांति फाउंडेशन गोंडा उत्तर प्रदेश द्वारा साहित्य के क्षेत्र में लगातार किए जाने वाले प्रयासों और उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए गाहलियां विद्यालय की छात्राएं मन्नत रंधावा,आरुषि और दिव्याना को इंटरनेशनल प्राइड ऑफ वीमेन अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया।

उनको यह सम्मान संस्था द्वारा वर्चुअल माध्यम से दिया गया। छात्राओं के माता पिता जगदीश सिंह,कमलेश कुमारी,मनिंदर सिंह, आशा देवी, मुकेश कुमार और सुनीता देवी ने राजीव डोगरा का धन्यवाद किया जिनके कर्मठ प्रयासों के द्वारा ही बच्चों को यह उपलब्धि प्राप्त हुई।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय कुमार ने सभी छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं दी और ऐसे ही विद्यालय का नाम ऊंचा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

जनसुनवाई में छह समस्याओं में से तीन का निस्तारण

बाकि समस्याओं के निस्तारण के लिए दिए अधिकारियों को निर्देश

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम में आज जनसुनवाई में आयी छह समस्याओं में से तीन समस्याओं का निस्तारण तत्काल करा दिया गया। बाकि तीन समस्याओं के निदान के लिए अपर नगरायुक्त प्रदीप यादव ने सम्बंधित अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए। वार्ड 54 उपवन विहार निवासी इसरार चौधरी ने उपवन विहार निकट गैस गोदाम के पास से कुत्तों को पकड़वाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। अपर नगरायुक्त के निर्देश पर निगम के पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी ने तत्काल डॉग कैचर टीम को भेजकर समस्या का समाधान करा दिया। उन्होंने बताया कि पकड़े जाने वाले कुत्तों का बंध्याकरण कर उन्हें पुनः उसी स्थान पर छोड़ा जायेगा।इसके अलावा इसरार ने उक्त स्थल पर साफ सफाई कराने के लिए भी प्रार्थना पत्र दिया था जिस पर तत्काल क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक व सफाई मित्र को भेजकर सफाई करा दी गयी। वार्ड 34 पंजाबी बाग के आदित्य सिंह ने नाली की साफ सफाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। उक्त स्थान पर भी सफाई कराकर समस्या का समाधान करा दिया गया। वार्ड 06 उषा विहार चिलकाना रोड निवासी सरीता ने कॉलोनी में बने नाले की सफाई कराने, वार्ड 14 पटेलनगर निकट कोचिंग निवासी नीलम ने एक डेरी संचालक द्वारा गोबर डालकर गंदगी फैलाने की समस्या का समाधान कराने तथा वार्ड 14 न्यू पटेल नगर निवासी सुनील कुमार ने कॉलोनी में लगी लाईट ठीक कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिये। अपर नगरायुक्त ने उक्त समस्याओं के निस्तारण के लिए सम्बंधित अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान मुख्य अभियंता निर्माण सुरेश चंद सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल ऑल इंडिया सेवन ए साइड महिला हॉकी प्रतियोगिता में करेगी प्रतिभाग

गुलजार आलम

रामपुर। रामपुर तेरह से पंद्रह मार्च तक आयोजित होने वाली ध्यानचंद सेवन ए साइड महिला आल इंडिया हॉकी प्रतियोगिता मिल्क रामपुर में आयोजित हो रही है जिसमें देश की नामवर टीमें भाग ले रही हैं। जिसमें रामपुर की महिला हॉकी टीम पहली बार भाग ले रही है स्कूल नेशनल हॉकी में ब्रॉन्ज मेडल विजेता मशीयत फातिमा द्वारा ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल हॉकी टीम की जर्सी लांज की गई। रामपुर हॉकी जानकारों का मानना है कि महिला हॉकी के इतिहास में ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल द्वारा राष्ट्रीय खेल हॉकी के लिए यह सराहनीय कार्य स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाने वाला अध्याय बनेगा।इस अवसर पर ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल की प्रिंसिपल अतीबा कमर और स्पोर्ट्स हेड रूखसार जफर के अतिरिक्त श्रीमती मारिया फरहत जिला उपाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा, रविश रिजवान कशिश चौहान रोशनी आंचल शीतल गुंजन माही नविता किरन सिमरन एवम हॉकी प्रशिक्षक फरहत अली खान मौजूद रहे।

निगम ने तीन सरकारी विभागों से की सवा दो डेढ़ करोड़ की मय ब्याज वसूली

आयकर व डाक विभाग को भी भेजे साढे.10 करोड़ के बिल

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम ने नगरायुक्त शिपू गिरि के निर्देश पर सीजीएसटी विभाग से एक करोड़ 55 लाख की वसूली सहित तीन विभागों से सवा दो करोड़ से अधिक सर्विस चार्ज की वसूली की है।जबकि आयकर विभाग व डाक विभाग को भी करीब साढे.दस करोड़ रुपये सर्विस चार्ज के बिल भेजे गए है। यदि इन विभागों द्वारा बकाया सर्विस चार्ज का भुगतान नहीं किया जाता तो अगले वर्ष बकाया राशि पर 12 प्रतिशत ब्याज पुनः देय होगा। कर अधीक्षक सुधीर शर्मा ने बताया कि नगरायुक्त शिपू गिरि के निर्देश पर नगर निगम द्वारा राजस्व वसूली अभियान को तेज कर दिया गया है। अभियान के तहत सीजीएसटी विभाग सहारनपुर से एक करोड़ 55 लाख 78 हजार 820 रुपये मय ब्याज के वसूल किये गए है।उन्होंने बताया कि सीजीएसटी विभाग की ओर वित्तीय वर्ष 2023-24, 2024-25 का ब्याज सहित बकाया तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 का बकाया सर्विस चार्ज 51 लाख 50 हजार के साथ कुल एक करोड़ 55 लाख 78 हजार 820 रुपये बकाया था जिसे विभाग से जमा कराया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त प्रबंधक केंद्रीय भंडारण निगम से वित्तीय वर्ष 2024-25 व वित्तीय वर्ष 2025-26 का सर्विस चार्ज 66 लाख 72 हजार तथा उप महाप्रबंधक पीएनटी टेजनिंग सेंटर अम्बाला रोड से भी वित्तीय वर्ष 2024-25 व 2025-26 का 06 लाख 72 हजार रुपये सर्विस चार्ज जमा कराया गया है।कर अधीक्षक ने बताया कि आयकर विभाग व डाक विभाग को भी करीब साढे.दस करोड़ रुपये सर्विस चार्ज के बिल भेजे गए है।

सावित्रीबाई फुले की स्मृति में लगाया स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

वेलकम इंडिया ब्यूरो

करनाल। भारत की पहली महिला शिक्षिका, सामाजिक सुधारक और महिलाओं की शिक्षा की जननी सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर पावर ग्रिड भादसों में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पावर ग्रिड के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक रजनीकांत अग्रवाल मुख्यातिथि रहे जबकि वरिष्ठ उप महाप्रबंधक मुनीष गंडोत्रा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

शिविर के संचालन में प्रदीप कुमार का विशेष योगदान रहा।182 बार रक्तदान, 89 बार प्लेटलेट्स और 1 बार प्लाज्मा दान कर चुके डॉ. अशोक कुमार वर्मा शिविर के संयोजक रहे।

मुख्यातिथि राजनकांत अग्रवाल और कार्यक्रम अध्यक्ष मुनीश गंडोत्रा ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर प्रोत्साहित किया और कहा कि रक्तदान महादान है। शिविर के सूत्रधार स्टार रक्तदाता प्रदीप कुमार ने स्वयं 45 वीं बार रक्तदान करते हुए कहा कि रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है।

आत्मकथा 'अपनी राम कहानी' के लिए डॉ. सविता चड्ढा को मिलेगा 'साहित्य भूषण सम्मान'

डॉ. शंभु पंवार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक सम्मानों से अलंकृत प्रख्यात लेखिका डॉ. सविता चड्ढा को उनकी चर्चित आत्मकथा 'अपनी राम कहानी' के लिए इंडिया नेटबुक्स का प्रतिष्ठित 'साहित्य भूषण सम्मान' प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है।

डॉ.चढ्ढा को यह सम्मान बीपीए फाउंडेशन एवं इंडिया नेटबुक्स के संयुक्त तत्वावधान में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले 'साहित्यकार सम्मान उत्सव' के अवसर पर 14 मार्च 2026 को दिल्ली के क्राउन प्लाजा, मयूर विहार डिस्ट्रिक्ट सेंटर में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा।

इंडिया नेटबुक्स के संस्थापक डॉ. संजीव कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस वर्ष विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट लेखन करने वाले देश के अनेक प्रतिष्ठित साहित्यकारों को सम्मानित किया जाएगा।

वरिष्ठ साहित्यकार ममता कालिया की अध्यक्षता में गठित चयन समिति ने सर्वसम्मति से डॉ. सविता चड्ढा को उनकी आत्मकथात्मक कृति 'अपनी राम कहानी' के लिए 'साहित्य भूषण सम्मान' हेतु चयनित किया है।

उल्लेखनीय है कि डॉ. सविता चड्ढा हिंदी साहित्य की सशक्त हस्ताक्षर हैं। उनकी पहली पुस्तक 1984 में प्रकाशित हुई थी और अब तक उनकी 55 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

उनकी कहानियों पर नाट्य मंचन हो चुके हैं, टेलीफिल्मों का निर्माण भी किया गया है तथा उनकी पत्रकारिता संबंधी पुस्तकों को विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में शामिल किया गया है।

उनकी कहानियों पर विद्यार्थियों द्वारा शोध कार्य भी किए जा चुके हैं। डॉ. चड्ढा को वर्ष 1987 में हिंदी अकादमी, दिल्ली द्वारा 'साहित्य कृति सम्मान' तथा वर्ष 2022 में साहित्य अकादमी, पंचकूला द्वारा 'हरियाणा गौरव सम्मान' से भी सम्मानित किया जा चुका है।

इस सम्मान के अंतर्गत उन्हें दो लाख रुपये की नगद राशि भी प्रदान की गई थी। इसके अतिरिक्त देश-विदेश के अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा समय-समय पर उन्हें उनके साहित्यिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया है।

हिंदी साहित्य में उनकी निरंतर सक्रियता, बहुआयामी लेखन और रचनात्मक योगदान को देखते हुए 'साहित्य भूषण सम्मान' की यह घोषणा साहित्य जगत में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखी जा रही है।

जनपद रामपुर ने आईजीआरएस रैंकिंग में सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में प्राप्त किया प्रथम स्थान

गुलजार आलम

रामपुर। पुलिस अधीक्षक, रामपुर विद्यासागर मिश्र एवं अपर पुलिस अधीक्षक/नोडल अधिकारी आईजीआरएस श्री अनुराग सिंह के कुशल नेतृत्व में आईजीआरएस कार्यालय द्वारा जनशिकायतों का निस्तारण उच्च स्तर पर किया जा रहा है । उक्त के फलस्वरूप माह फरवरीझ2026 में शासन स्तर पर की गई समीक्षा (मासिक मूल्यांकन रिपोर्ट) में जनपद रामपुर ने आईजीआरएस से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में सम्पूर्ण प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है ।

जनपद रामपुर विगत माह जनवरी में भी प्रथम स्थान पर रहा था। जनपद रामपुर में प्राप्त समस्त शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है ।

विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों को जनपदीय पुलिस द्वारा पूर्ण संवेदनशीलता के साथ सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों द्वारा उनका गुणवत्तापरक निस्तारण किया गया । निस्तारित की गई शिकायतों की प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से शिकायतकताओं से फीडबैक भी प्राप्त किया जा रहा है, जिससे भविष्य में सेवा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जा सके ।

मेगा कैम्प में बने श्रमिक कार्ड, बाल श्रम उन्मूलन के प्रति किया गया जागरूक

असदुल्लाह सिद्दीकी

जोगिया(सिद्धार्थनगर)। जिले को बाल श्रम मुक्त बनाने के उद्देश्य से जोगिया उदयपुर ब्लॉक क्षेत्र के पकड़ी बाजार एवं मिठवल ब्लाक क्षेत्र के गोहर में मंगलवार को मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान की ओर से मेगा कैम्प का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के डिस्ट्रिक्ट लीड प्रसून कुमार शुक्ला के नेतृत्व में किया गया। कैम्प में श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए श्रमिकों के श्रम कार्ड बनाये गये।मेगा कैम्प में क्षेत्र के सैकड़ों श्रमिकों ने पहुंचकर अपना पंजीकरण कराया और श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।इस दौरान उपस्थित अधिकारियों और कार्यकताओं ने श्रमिकों को सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों से इन योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान एमआईएस रोहित रंजन दुबे ने कहा कि जनपद में बाल संरक्षण मुद्दों के लेकर बृहत रूप से जन जागरूकता अभियान के साथ साथ सम्बन्धित विभागों से समन्वय स्थापित कर बाल संरक्षण के मुद्दों पर कार्य किया जा रहा है, साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं से लिंकेज के लिए मेगा कैम्पों का आयोजन संस्थान द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान जिला सलाहकार जय प्रकाश गुप्ता ने बाल श्रम उन्मूलन को लेकर लोगों को जागरूक किया।उन्होंने कहा कि जिले को बाल श्रम मुक्त बनाने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता जरूरी है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कहीं कोई बच्चा मजदूरी करते हुए दिखाई दें, तो इसकी सूचना सम्बन्धित विभाग या चाइल्ड हेल्पलाइन नं0-1098 पर दें, ताकि बच्चों को श्रम से मुक्त कराकर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकें। कैम्प में श्रम विभाग के राहुल शर्मा एवं अमरजीत पाण्डेय ने श्रमिकों को श्रम कार्ड से मिलने वाले लाभों के बारें में जानकारी दी और बताया कि पंजीकरण कराने से श्रमिकों को विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सकता है।कार्यक्रम के सफल आयोजन में मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान से रूपा उमर, सोनम मोदनवाल, अमन शर्मा, विजय शंकर यादव, श्रद्धा दुबे, हृदय नारायण सिंह, ज्योति सिंह, सीएचसी संचालक धर्मपाल पासवान, दिलशाद तथा धर्मप्रकाश की विशेष भूमिका रही। कैम्प के दौरान बड़ी संख्या में श्रमिकों ने श्रम कार्ड बनवाकर सरकारी योजनाओं से जुड़ने की प्रक्रिया पूरी की। आयोजकों ने बताया कि आगे भी ऐसे जागरूकता और पंजीकरण कैम्प आयोजित किए जायेंगे, ताकि अधिक से अधिक श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकें और जिले को बाल श्रम मुक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाये जा सकें।

राजस्व लक्ष्य को समय से पूर्ण करें अधिकारी-डीएम - खाद्यान्न गुणवत्ता की नियमित जांच के दिए निर्देश

गोविन्द मेहता

बागेश्वर। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने कलेक्ट्रेट सभागार में मासिक समीक्षा बैठक आयोजित कर विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ओवर स्पीडिंग और ओवरलोडिंग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के लिए सभी उपजिलाधिकारियों, पुलिस विभाग तथा एआरटीओ को संयुक्त रूप से नियमित चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को शत-प्रतिशत राजस्व लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश देते हुए बिना फिटनेस के वाहन संचालन, बिना हेलमेट वाहन चलाने, शराब पीकर वाहन चलाने वालों तथा स्कूली बसों की शत-प्रतिशत चेकिंग सुनिश्चित करने को कहा।

साथ ही उन्होंने सड़क निर्माण से जुड़ी कार्यदायी संस्थाओं को रोड सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए सड़कों पर स्पीड लिमिट बोर्ड और आवश्यक साइनेज लगाने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने जिला पंचायत को अंतिम चेतावनी जारी करते हुए राजस्व लक्ष्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए तथा नगर निकायों को भी राजस्व वसूली बढ़ाने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने को कहा।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी को सस्ता गल्ला गोदामों तथा सरकारी योजनाओं के अंतर्गत वितरित किए जा रहे खाद्यान्नों की नियमित अंतराल पर जांच करने और सैंपलिंग बढ़ाने के निर्देश दिए गए, ताकि खाद्य सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

जिलाधिकारी ने बढ़ते अपराधों की रोकथाम को गंभीरता से लेते हुए पुलिस विभाग को प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी एसडीएम, शिक्षा विभाग, अभियोजन विभाग और समाज कल्याण विभाग को पॉक्सो एवं एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए एक्टिविटी बेस्ड कार्यक्रम आयोजित करने को कहा।

आबकारी विभाग को अवैध शराब की तस्करी और बिक्री में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी एन एस नबियाल सहित सभी सदर एसडीएम प्रियंका रानी और अन्य उपजिलाधिकारी सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तम नगर में युवक की हत्या पर आक्रोश, कातिलों के एनकाउंटर की मांग

राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

नई दिल्ली। होली के अवसर पर पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर क्षेत्र की काली बस्ती, जे.जे. कॉलोनी में तरुण नामक युवक की हत्या के मामले को लेकर आक्रोश बढ़ता जा रहा है। पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे यूनाइटेड हिन्दू फ्रंट के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जयभगवान गोयल ने घटना पर गहरा दुख और रोष व्यक्त किया तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।परिवार के सदस्यों ने बताया कि होली के दिन हुए विवाद के बाद कुछ लोगों ने कथित रूप से तरुण को घेरकर मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि आसपास के कुछ लोगों से पहले भी उनका विवाद होता रहा था और इसी के चलते यह घटना हुई। परिवार ने सरकार से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने, पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने तथा मृतक के बड़े भाई को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। परिवार से मुलाकात के बाद जयभगवान गोयल ने कहा कि इस घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है और दोषियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए।

पूर्व प्रधान जानू ने कराया होली मिलन समारोह, पूर्व विधायक रहे मुख्य अतिथि

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। ब्रज में होली उपरांत होली मिलन समारोह का आयोजन जारी है। इसी क्रम में पूर्व जानू के पूर्व प्रधान प्रतिनिधि पं मोहनश्याम शर्मा द्वारा सौंख वाईपास पर स्थित रामचंद्र पब्लिक स्कूल में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व विधायक पं राजकुमार रावत का स्वाफा, दुपट्टा एवं फूलमाला पहनाकर स्वागत किया।

होली मिलन समारोह में पूर्व विधायक एवं पूर्व प्रधान जानू एक दूसरे का हाथ थामे नजर आए। सिंगर बेनीवाल ने मंच को सम्भाला वही स्थानीय कलाकार नरेश स्वामी द्वारा गाए होली के रसियां पर सभी श्रोतागण मदमस्त हो गए।

पूर्व विधायक पं राजकुमार रावत ने सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जग होरी ब्रज होरा होता है सभी भाइयों ने रंगों के महापर्व साथ होली का आनंद लिया है और उसी आनंद में अपने मन की बात प्रकट की है जिसका सभी सम्मान रखेंगे।

आगामी चुनावों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिला पंचायत चुनाव में सभी भाई मोहनश्याम शर्मा का साथ दें और 2027 में जो जनता कहेगी हम उसका पालन करेंगे।

प्रत्याशी पं मोहनश्याम शर्मा ने अपनी दावेदारी की मंशा प्रकट करते हुए भरे मंच से एलान किया कि अगर सीट सामान्य रहती है जिला पंचायत के वार्ड 17 से चुनाव लड़ूंगा।

मेरे लिए पार्टी मायने नहीं रखतीं, मेरे लिए तो आप ही मेरी पार्टी हो। अगर मैंने प्रधानी की तो उसमें किसी पार्टी का कोई योगदान नहीं रहा आपके स्नेह और आशीर्वाद से सब सम्भव हुआ। इस अवसर पर कवि ओम हरि बाबू , आन्योर प्रधान मुकेश शर्मा, प्रधान बाबूलाल, पं मनोज पाठक, पुरुषोत्तम शर्मा, एल एन कौशिक, गोपाल शर्मा कवि, मथुरेश शर्मा, पं श्यामसुंदर शर्मा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

टीईटी से मुक्ति को शिक्षकों ने लिखी पीएम को पाती

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ (एआईजेटीएफ) के बैनर तले परिषदीय शिक्षकों ने राष्ट्रपति, पीएम, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पोस्टकार्ड के माध्यम से टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग की।

शिक्षकों का कहना है कि आरटीई लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी लागू करना तत्कालीन सेवा नियमों का उल्लंघन है।

शिक्षक की पाती नाम से शुरू किए गए इस अभियान के पहले दिन करीब 500 शिक्षकों ने पोस्टकार्ड प्रेषित किए। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष लोकेश गोस्वामी ने बताया कि टीईटी से मुक्ति की मांग को लेकर अब पोस्टकार्ड के साथ ई-मेल व सोशल मीडिया पर अभियान चलाया जाएगा।

इस दौरान प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री बलवीर सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गौरव यादव, विशिष्ट बीटीसी एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रविन्द्र चौधरी, यूटा के जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर सिंह, जिला मंत्री विकास यादव, एससीएसटी शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अशोक प्रिया, उर्दू बीटीसी शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष खुर्शीद अहमद समेत सुधीर सोलंकी, उपेन्द्र पांडेय, जितेन्द्र जोशी, अवधेश सारस्वत, हरीश शर्मा, जयपाल सिंह, कौशल किशोर गौतम आदि उपस्थिति रहे।

भक्ति दिखाने का नहीं हृदय में छुपा कर ईश्वर के प्रति प्रेम करने का विषय : संत चिन्मयानंद बापू

ब्रज के रसिक संत चित्र विचित्र महाराज ने किया बापू का स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा(गोवर्धन)। श्री गिरिराज जी की पावन तलहटी चरणामृत कुंड पर चल रही परम संत श्री चिन्मयानंद बापू जी की श्रीमद् भागवत कथा में ब्रज के रसिक संत चित्र विचित्र महाराज पहुंचे। और बापू महाराज का स्वागत किया। गिरिराज तलहटी की ब्रज रज में कथा सुनाने के लिये उनका आभार व्यक्त किया। व्यास संत चिन्मयानंद बापू जी ने दूसरे दिन की कथा में कहा कि भक्ति प्रदर्शन का नहीं हृदय में छुपा कर ईश्वर के प्रति प्रेम करने का विषय है। ईश्वर से अंतिम समय तक भक्ति रूपी प्रेम करें। ऋषि मतंग के आश्रम से यदि शबरी माता एक दिन पहले भी चली जाती तो उनको भगवान राम के दर्शन नहीं होते। यदि हमें कथा का एक बार नशा लग जाए और परमात्मा के श्री चरणों में हमारा अनुग्रह हो जाए तो दुनिया में फिर हमें कुछ भी जचता नहीं है सिर्फ परमात्मा ही परमात्मा दिखता है। बापूजी ने कहा कि दुनिया की सारे नशे एक रात में चले जाते हैं, लेकिन कथा का नशा एक मात्र ऐसा नशा है कि जो अनवरत रूप से हमारे ऊपर

चढ़ा ही रहता है। कभी उतरने का नाम ही नहीं लेता उन्होंने कहा कि जिसने भगवान की कथा का रस नहीं जाना उसने इस संसार में मानो किसी भी चीज को रखा ही नहीं है। हमें जो भी दिखता है हम जो भी अपने नेत्रों से इस वक्त दर्शन कर रहे हैं एक दिन यह सब नष्ट हो जाएगा सिर्फ भगवान का नाम ही इस संसार में एक मात्र सत्य है जो हमारे साथ हमेशा रहेगा। बापूजी ने कहा हम मंदिर में जाते हैं तो हम बहुत सारे देवताओं का दर्शन करके निश्चित नहीं कर पाते कि हम किसी देवता की पूजा करें और हम आपस में ही एक दूसरे में तुलना करने लगते हैं लेकिन कथा हमको यह सिखाती है कि हम पूजा सबकी करें लेकिन अपना विश्वास किसी एक देवता के श्री चरणों में ही रखें तभी हमारी भक्ति सार्थक है। इस अवसर पर संत चित्र विचित्र महाराज, प्रियंका पांडेय, मीमांशा, मुरारी लाल गोयल, सुमन गोयल, हर्ष गोयल, महेश अग्रवाल, धर्मेंद्र शर्मा, प्रीति सोनी, मयंक वैध, हनी कौशिक, व्यापार मंडल के अध्यक्ष गणेश पहलवान आदि भक्तजन उपस्थित रहे।

पत्रकार फतेह खान निभा रहे निष्पक्ष पत्रकारिता की जिम्मेदारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

अयोध्या। पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है और इसी जिम्मेदारी को ईमानदारी के साथ निभा रहे हैं पत्रकार फतेह खान, जो वेलकम इंडिया दैनिक समाचार पत्र में अयोध्या जनपद से रिपोर्टर के रूप में कार्यरत हैं। पत्रकार फतेह खान क्षेत्र की समस्याओं, जनहित के मुद्दों और विकास कार्यों को प्रमुखता से अपनी खबरों के माध्यम से सामने लाते हैं। उनकी खबरों में सच्चाई, निष्पक्षता और जनसेवा की भावना स्पष्ट दिखाई देती है। वे हमेशा जनता की आवाज को प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं, जिससे आम लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद मिलती है। अयोध्या जनपद में पत्रकार

फतेह खान अपनी मेहनत, लगन और निडर पत्रकारिता के लिए पहचाने जाते हैं। वे बिना किसी दबाव के सच्चाई को सामने लाने का प्रयास करते हैं और पत्रकारिता की गरिमा को बनाए रखते हुए समाज में जागरूकता फैलाने का काम कर रहे हैं।

50 साल पेंशन से वंचित रहीं 112 वर्षीय अम्मा

हर गांव -गली में पेंशन बंधवाने, बंद होने की समस्या की शिकार हैं चाची, ताई

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। बाकलपुर इंद्रपुरी की 112 वर्षीय अम्मा रम्मूली देवी का सोमवार को वृद्धावस्था पेंशन के लिए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचना और डीएम द्वारा तीन दिन में पेंशन बंधवाना चर्चा का विषय बन गया है लेकिन यह घटना लचर तंत्र को सुधारने का एक बड़ा सवाल छोड़ गयी है। ज़िन्दगी के अन्तिम पायदान पर पहुंच कर अम्मा की पेंशन जरूर बंध जाएंगी लेकिन 50 साल पेंशन से वंचित रखने के लिए जिम्मेदार लोगों का क्या होगा? अभी हर इलाके में सैकड़ों उम्र दराज चाची, ताई, अम्मा पेंशन बंधवाने, बंधने के बाद बंद हो जाने जैसी समस्या के चलते आए दिन परेशान घूमती हैं।

गरीब के लिए वृद्धावस्था एवं विधवा पेंशन जैसी सरकारी योजनाएं गरीबों के जीवन निर्वहन में बहुत बड़ा सहारा बनती हैं लेकिन इस काम को भी हर गांव में दलाल ही अंजाम दिला पाते हैं। विभागीय अफसरों और दफ्तरों तक लोगों की पहुंच नहीं है। आमजन विशेषकर महिलाओं के लिए तो यह सब बेहद दिक्कत जदा है। जन सेवा केन्द्रों की बात करें तो वहां भी हर काम के 10-15 रुपए नियत शुल्क के बजाय मनमाना शुल्क वसूला जाता है। बात उनकी भी ठीक है । फार्म भरना, पीडीएफ डोक्युमेंट डाउनलोड करना आदि कयी काम होते हैं जिन्हें निर्धारित सरकारी शुल्क में कर पाना संभव नहीं। काम कराना है तो दाम कितने खर्च होंगे यह बात दिमाग से निकालनी पड़ेगी। उल्लेखनीय है कि 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले बुजुर्ग की वृद्धावस्था पेंशन बंधती है। इधर अम्मा रम्मूली के जीवन के 52 बरस बगैर पेंशन के ही गुजर गये। पेंशन में मिलने वाली धनराशि अम्मा के जीवन को और सुखद बना सकती थीं लेकिन काबिल तंत्र ने उन्हें उनके हक से 5 दशक तक महरूम रखा। अब यह भी संभव नहीं कि दोषी तंत्र को चिन्हित कर उनके द्वारा किए गये अपराध का दंड मिल सके।

बीच-बचाव करने पहुंचे युवक को लाठी-डंडों से पीटा, दो सगे भाइयों पर मुकदमा दर्ज

मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव जसाला में एक सप्ताह पूर्व हुई मारपीट के मामले में घायल युवक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही दो सगे भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। क्षेत्र के गांव जसाला निवासी हरविंदर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि विगत 4 मार्च को गांव के ही विशाल और मनीष के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया और लाठी-डंडों से मारपीट शुरू हो गई।पीड़ित का आरोप है कि उसी दौरान उसका भाई अनुज वहां से गुजर रहा था। उसने दोनों पक्षों को शांत कराने और बीच-बचाव करने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि मनीष और उसके भाई गौरव ने गुस्से में आकर अनुज पर ही हमला कर दिया। दोनों आरोपियों ने लाठी-डंडों से उस पर हमला करते हुए बुरी तरह मारपीट कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के बाद परिजन घायल अनुज को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया था। पीड़ित ने डॉक्टरी परीक्षण कराकर थाने में तहरीर दी गई, जिसमें दोनों आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस तलाश में जुटी हुई है।

बागेश्वर पुलिस की साप्ताहिक परेड संपन्न

पुलिस उपाधीक्षक ने जवानों को दिए गए बेहतर स्वास्थ्य, अनुशासन और दंगों से निपटने के विशेष दिशा-निर्देश

गोविन्द मेहता

बागेश्वर। रिजर्व पुलिस लाइन मालता में साप्ताहिक परेड का आयोजन किया गया। पुलिस उपाधीक्षक अजय शाह एवं प्रतिसार निरीक्षक की उपस्थिति में आयोजित परेड में पुलिस लाइन के समस्त शाखाओं, गणना के हकदार जवानों ने प्रतिभाग किया।परेड के दौरान पुलिस उपाधीक्षक अजय शाह द्वारा जवानों के टर्नआउट का बारीकी से निरीक्षण किया गया। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को विभाग की गरिमा बनाए रखने के लिए उच्च स्तर का अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए।जवानों को मानसिक

और शारीरिक रूप से फिट रहने के गुर सिखाए गए। साथ ही बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन और नियमित व्यायाम पर जोर दिया गया ताकि जवान अपनी ड्यूटी का निर्वहन अधिक ऊर्जा के साथ कर सकें। भविष्य की चुनौतियों और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से जवानों को शस्त्रों के संचालन और रख-रखाव की विस्तृत जानकारी दी गई।

सीआईएसएफ ने मनाया 57वाँ स्थापना दिवस

सीआईएसएफ ने 57वर्षों में रचा गौरवशाली इतिहास-कमाण्डेंट

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। कान्हा की नगरी में आधुनिक मंदिर के नाम हे विश्व-विख्यात इंडियन ऑयल मथुरा रिफाइनरी की सुरक्षा में दिन-रात तैनात रहने वाले सीआईएसएफ जवानों ने 10 मार्च को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के गौरवशाली इतिहास के 57 वर्ष पूरे होने पर सीआईएसएफ का अपना स्थापना दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया। इकाई प्रभारी डॉ. नीरज भारती कमांडेंट के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस भव्य समारोह ने जवानों के अदम्य साहस

और अनुशासन की अनूठी मिसाल पेश की गई। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मथुरा रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक व रिफाइनरी प्रमुख मुकुल अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण जवानों द्वारा प्रस्तुत भव्य परेड रही, जिसकी लयबद्ध ताल और अनुशासन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान बल के जवानों ने सुरक्षा से संबंधित कई हैरतअंगेज डेमो प्रस्तुत किए, जिससे उनकी तत्परता और कौशल का अनूठा प्रदर्शन हुआ। सुरक्षा प्रदर्शन के साथ-साथ डॉग स्क्वाड के जांबाज सदस्यों ने अपनी सूंघने और अपराधी को पकड़ने की क्षमता का प्रदर्शन कर खूब तालियां बटोरीं। इसके उपरांत जवानों और उनके परिवारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने ब्रज की इस पावन भूमि पर उत्सव का माहौल बना दिया।

समारोह को संबोधित करते हुए कमांडेंट डॉ. नीरज भारती ने सीआईएसएफ के 57 वर्षों के गौरवशाली इतिहास और इसकी बहुआयामी सुरक्षा भूमिका (एयरपोर्ट से लेकर निजी क्षेत्र तक) की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सीआईएसएफ आज हवाई अड्डों, बंदरगाहों और महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा के साथ-साथ निजी क्षेत्र को सुरक्षा परामर्श देने वाला दुनिया का अग्रणी संगठन है। कान्हा की नगरी में 'आधुनिक मंदिर' के रूप में विश्व-विख्यात इंडियन ऑयल मथुरा रिफाइनरी की सुरक्षा का दायित्व भी हमारे लिए गर्व का विषय है, जिसे हम पूरी निष्ठा से निभा रहे हैं।

आईसीएआई वाराणसी शाखा में विश्व महिला दिवस कार्यक्रम आयोजित, महिलाओं के योगदान को किया गया सम्मानित

महिलाएं समाज की रीढ़,उनके अधिकारों की रक्षा जरूरी: डॉ.शिप्रा धर श्रीवास्तव

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया वाराणसी द्वारा विश्व महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन वाराणसी शाखा परिसर आईसीएआई भवन, प्लॉट नंबर 2बी प्रेमचंद्र नगर कॉलोनी पांडेयपुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ शाखा अध्यक्ष सीए वैभव मेहरोत्रा ने किया और साथ ही बताया की महिला दिवस के अवसर पर मैं सभी महिलाओं को बधाई देता हूँ आज का दिन हमारे समाज में महिलाओं के योगदान को सम्मानित करने और उनकी उपलब्धियों को मनाने का दिन है। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ शिप्रा धर श्रीवास्तव एवं डॉ स्नेहा गुप्ता वाराणसी से रही।

इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ शिप्रा धर श्रीवास्तव ने बताया की महिलाएं हमारे समाज की रीढ़ हैं और उन्होंने हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन किया है चाहे वह शिक्षा हो, व्यवसाय हो,राजनीति हो,या घरेलू जीवन,महिलाएं हर जगह अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

इसके उपरांत डॉ स्नेहा गुप्ता ने बताया की महिलाओं को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है उन्हें अपने अधिकारों के लिए लड़ना पड़ता है और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है और कहा की आज के दिन हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करेंगे और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने में मदद करेंगे हम उन्हें प्रेरित करेंगे और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

महिलाएं हमारी शक्ति हैं और हमें उनका सम्मान करना चाहिए। आइए हम सभी मिलकर महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करें और उन्हें एक बेहतर भविष्य की दिशा में ले जाएं। कार्यक्रम का संचालन सीए दीक्षा भरद्वाज एवं सयोजक सीए दिव्या ग्वाल ने किया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन शाखा सचिव सीए रंजीत कुमार पांडेय ने किया एवं कार्यक्रम में शाखा उपाध्यक्ष सीए विकास द्विवेदी,शाखा कोषाध्यक्ष एवं शाखा अध्यक्ष सीए नमन कपूर,कार्यकरणी सदस्य सीए श्रीप्रकाश पांडेय, नीरज सिंह और महिला सीए सदस्यों में सीए सुदेशना बासु,सीए जमुना शुक्ला,सीए रश्मि केशरवानी, सीए मिनाक्षी गुजराती,सीए मिरदुला के सेठिया,सीए प्रगति जायसवाल,सीए ऋतू परना,सीए निर्जरा जैन,सीए ईशा सिंह,सीए इशू कनोड़िआ सहित इत्यादि लोगों की सहभागिता रही।

फिरोजाबाद रामगढ़ थाने के पास, अजीम भाई की पुलिया, बम्बा बाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में पास रोड, फिरोजाबाद पर स्थित Bharat to Wheels TVR D.J की गाड़ी ने रोड़ शौ शादी विवाह पाटीयों में खूब जमकर मचाया धमाका फिरोजाबाद की सड़कों पर क्षेत्रीय जनता के बीच उतरी बड़ी धूमधाम से TVR D.J कि गाड़ी सस्ते से सस्ता महंगे से महंगा हर तरह की बुकिंग में जाती है TVR D.J कि गाड़ी फिरोजाबाद जिले के साथ -साथ आगरा, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, इटावा, कानपुर,औरया, जेसे अन्य सभी जिलों में भी जाती है TVR D.J कि गाड़ी मालिक साबिर अली मो० 9056643794 पर संपर्क कर के TVR D.J की गाड़ी को आप भी बुक कर सकते हो अब देर ना करें आप भी अपनी शादी विवाह पाटीयों में TVR D.J की गाड़ी को बुक कर के आनंद लें।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मां सीता रसोई ने किया महिलाओं का सम्मान

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

वृन्दावन। परिक्रमा मार्ग/ज्ञान गुदड़ी स्थित श्रीपंच हरिव्यासी महानिवार्णी निमोर्ही अखाड़ा (छत्तीसगढ़ कुंज) में श्रीतुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज की प्रेरणा से मां सीता रसोई के द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'सनातन नारी शक्ति सम्मान समारोह' का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ। जिसके अंतर्गत मां सीता रसोई की संस्थापक व संकट मोचन सेना (महिला प्रकोष्ठ) की अध्यक्ष 'पंजाब रत्न' श्रीमती मनप्रीत कौर (लुधियाना), चित्रकूट स्थित श्रीतुलसी पीठ के उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास महाराज एवं प्रख्यात भजन गायक चित्र-विचित्र महाराज के द्वारा प्रख्यात ओडिसी नृत्यांगना कुंजलता मिश्रा, कथक डांसर गीतांजलि (ब्रज की राधा), सब-

इंस्पेक्टर, पुलिस अलका रानी, श्रीमती भारती देवी, प्रमुख भाजपा नेत्री श्रीमती सरोज गोला, ब्रज सेवा संस्थान की निदेशक श्रीमती वसुधा चतुर्वेदी, इशिता शर्मा, प्रियंका सिंह, ऐश्वर्या कौशिक, सनाया शर्मा एवं श्वेता चौहान आदि 12 महिलाओं को सम्मानित किया गया।साथ ही प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र एवं ठाकुरजी का पटुका-प्रसादी-माला आदि भेंट कर उन्हें 'सनातन नारी शक्ति सम्मान' से अलंकृत किया गया। इस अवसर पर श्रीमज्जगद्गुरु विष्णुस्वामी विजयराम देवाचार्य भैयाजी महाराज (वल्लभगढ़ वाले), गोरीलाल कुंज के श्रीमहंत स्वामी किशोर दास देवजू महाराज, पीपाद्वाराचार्य जगद्गुरु बाबा बलरामदास देवाचार्य महाराज, महामंडलेश्वर महंत गोपीकृष्ण दास महाराज, पुराण मनीषी कौशिक जी महाराज, चतु:संप्रदाय के श्रीमहंत फूलडोल बिहारीदास महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी सच्चिदानंद शास्त्रीआदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नौ महीने से मानदेय नहीं मिलने और ईपीएफ की देयता का भुगतान न होने से नाराज रोजगार सेवको ने सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। मंगलवार को ग्राम रोजगार सेवको ने जिलाध्यक्ष प्रदीप पाण्डेय के नेतृत्व में जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारियो को सम्बोधित ज्ञापन खण्ड विकास अधिकारी धर्मेश पाण्डेय को सौंपा। जिलाध्यक्ष प्रदीप पाण्डेय ने कहा कि जनपद में तैनात मनरेगा कर्मियों ने लक्ष्यों की पूर्ति में अपना शत प्रतिशत योगदान दिया है एसआईआर / क्रॉप सर्वे में अपना महत्वपूर्ण काम किये लेकिन पिछली दिवाली और इस बार की होली पूरी तरह फीकी रही क्योंकि जुलाई 2025 से मानदेय का भुगतान तक नहीं किया गया और न ही ईपीएफ की देयता का भुगतान किया गया। हमारे ऊपर अपने परिवार की भी जिम्मेदारी है नौ महीने से मानदेय नहीं मिलने से रोजगार सेवक मानसिक और आर्थिक तनाव के जूझ रहे हैं। यदि मानदेय और ईपीएफ की देयता का भुगतान जल्द नहीं हुआ तो वृहद आन्दोलन किया जाएगा। इस अवसर पर अतुल जयसवाल, मिहिर प्रताप गौतम, आशीष उपाध्याय, विनोद कुमार, शैलेश कुमार, विजय प्रताप यादव, रविंद्र राय, कु. सुंदरी, सुबोध कान्त, गुलाबा मौर्या सहित काफी संख्या में रोजगार सेवक मौजूद रहे।

जिले का सबसे खूबसूरत चौक बनेगा वंदे मातरम चौक, 23 मार्च को जिलाधिकारी को सौंपा जाएगा ज्ञापन - संगीता मिश्रा

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के ध्वजवाहक मुख्यमंत्री योगी जी महाराज की मंशा के अनुरूप,वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ तथा शहीद दिवस के अवसर पर प्रदेश की सभी जिला इकाइयां आगामी 23 मार्च को जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर एक व्यस्ततम चौक को वंदे मातरम चौक घोषित करने की अपील करेंगी। उक्त बातें विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने मंडल प्रभारियों की बैठक में कही। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश की वर्चुअल बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री दिग्विजय सिंह राना ने किया। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश की वर्चुअल बैठक में उपस्थित विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश अधिवक्ता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रुद्र कुमार पाठक मातृशक्ति प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष गंगा धाकड़,प्रवीण सिंह चंदेल,नीरज सैनी, शरद परमार,श्याम बाबू शर्मा,राजू सिंह प्रधान,संजय शुक्ला,शरद प्रजापति,पंकज वालिया,उमेश प्रजापति तथा मंडल प्रभारीगण दिनेश कुमार मधुकर,राजेश शर्मा,डॉ सतीश गौतम,राजेंद्र शर्मा,बृजेश तिवारी,छोटेलाल,भीम सिंह,राकेश दुबे,लव कुमार,अभिषेक कठेरिया,श्रीवंत तिवारी ने कहा कि घोषित चौक को शहीदों के चित्र,वंदे मातरम गीत की पट्टिका,भारत माता के चित्र,तिरंगा ध्वज व यातायात के संकेतों से सबसे खूबसूरत चौक बनाएंगे। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश सोशल मीडिया प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष गंगा शर्मा कौशिक ने कहा कि अखबारों में विज्ञप्ति देने,सोशल साइट्स पर प्रतिदिन सक्रिय रहने, यूट्यूब इत्यादि इलेक्ट्रॉनिक चैनल्स के माध्यम से भी हमें कार्य करना है। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष जयशंकर केसरी,दीपक शुक्ला,सोनू सिंह तथा संगीता मिश्रा ने कहा कि 18 मार्च को राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज व डोमराजा संजीत चौधरी की स्मृति में डोमराजा के घर पर समरसता कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी लोग जी जान से जुटें। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने मनोज कुमार श्रीवास्तव को काशी संभाग के प्रभारी पद पर नियुक्त कर के समापन की घोषणा की।

आकाशवाणी वाराणसी के पूर्व उपनिदेशक डॉ.राजेश गौतम के बांसुरी वादन से होगा भारत-नेपाल साहित्यिक/सांस्कृतिक महाकुंभ का शुभारंभ

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। महानगर के राम कटोरा स्थित शाह नर्सिंग होम के ठीक सामने,काशी सेवा समिति के महामना मालवीय सभागार में भारत -नेपाल साहित्यिक/सांस्कृतिक महाकुंभ एवं स्मृति सम्मान समारोह -2026 का तीन दिवसीय आयोजन प्रतिदिन सायं चार बजे से काशी हिन्दी विद्यापीठ एवं अखिल भारतीय लेखक कवि कलाकार परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में कवि इन्द्रजीत तिवारी निर्भीक के प्रमुख संयोजन में होगा। उक्त आयोजन में 12 मार्च 2026 को सायं चार बजे प्रयागराज के पूर्व जिला न्यायाधीश एवं अंतर्राष्ट्रीय गजलकार डॉ. चन्द्रभाल सुकुमार के अध्यक्षता में अलीगढ़ के प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय कवि प्रेमकिशोर पटाखा एवं गोरखपुर के प्रख्यात कवि नन्दलालमणि त्रिपाठी पीताम्बर प्रमुख अतिथि द्वय के गरिमयी उपस्थिति में अखिल भारतीय लेखक कवि कलाकार परिषद् के राष्ट्रीय महासचिव कवि सिद्धनाथ शर्मा सिद्ध के संचालन में होगा। आयोजन के दूसरे दिन 13 मार्च 2026 को सायं चार बजे से संपूणानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के पुरातन दर्शन विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर हरिप्रसाद अधिकारी के अध्यक्षता में फिरोजाबाद के पूर्व सांसद एवं अंतर्राष्ट्रीय कवि प्रोफेसर ओमपाल सिंह निडर एवं नेपाल के डॉ. हरिप्रसाद तिमिलसिना के गरिमामयी उपस्थिति में प्रख्यात कवि डॉ.शरद श्रीवास्तव के संचालन में होगा। आयोजन के तीसरे दिन दी सेंट्रल बार एसोसिएशन वाराणसी के पूर्व अध्यक्ष एवं अंतर्राष्ट्रीय कवि डॉ.राम अवतार पाण्डेय एडवोकेट के अध्यक्षता में गोरखपुर के प्रख्यात गीतकार प्रोफेसर सुभाषचन्द्र यादव एवं सौहार्द गुरु सौरभ पाण्डेय प्रमुख अतिथि द्वय के गरिमामयी उपस्थिति में कवि इन्द्रजीत तिवारी निर्भीक के संचालन में होगा। आयोजन के दौरान भारत वर्ष एवं नेपाल से आने वाले विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को कर्नल,डॉ.आदिशंर मिश्र विद्या वाचस्पति के सौजन्य से काशी हिन्दी विद्यापीठ के कुलाधिपति कवि सुखमंगल सिंह मंगल द्वारा द्वारा विशेष मानद/मानद सम्मान और अखिल भारतीय लेखक कवि कलाकार परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.प्रमोद वाचस्पति एवं राष्ट्रीय संयोजक डॉ.ओमप्रकाश द्विवेदी ओम् द्वारा भारत - नेपाल स्मृति सम्मान भेंट किया जायेगा।

नोडल अधिकारी ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आहूत की बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जनपद न्यायाधीश रणधीर सिंह के निर्देशन में आगामी 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के तैयारियों के दृष्टिगत जनपद के समस्त प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जनपद न्यायालय सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता मा0 अपर जनपद न्यायाधीश-पॉस्को/नोडल अधिकारी लोक अदालत कृष्ण कुमार-५ द्वारा किया गया तथा संचालन प्राधिकरण के सचिव सुनील कुमार सिंह द्वारा किया गया। बैठक में नोडल अधिकारी ने समस्त प्रशासनिक अधिकारियों से

आवाहन किया कि वह अपने-अपने विभाग एवं कार्यालय में दिनांक 14 मार्च 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन कर ज्यादा से ज्यादा वादों एवं मामलों का निस्तारण करवाने का प्रयास करें। कलेक्ट्रेट से प्रभारी अधिकारी द्वारा बताया गया की राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित समस्त तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं तथा ज्यादा से ज्यादा वादों एवं मामलों का निस्तारण के लिए प्रयास किया जा रहा है।

सारनाथ को अट्ठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में बाबू जगत सिंह ने किया चिह्नित

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। प्रमाणिक दस्तावेजों एवं प्राथमिक ऐतिहासिक साक्ष्य के विस्तृत अध्ययन के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण नई दिल्ली ने स्वीकार किया है कि वाराणसी में सारनाथ स्थल बाबू जगत सिंह के द्वारा कराए गए उत्खनन से सर्वप्रथम प्रकाश में आया है। उक्त मान्यता के आलोक में ही पत्रांक संख्या ऋठङ्ग.ळ-17/10/ 2024-एए (35099) दिनांकित 10 फरवरी 2026 को सारनाथ परिसर में नए संशोधित शिलापट्ट को लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि बाबू जगत सिंह ने 18वीं सदी के उत्तरार्ध में सारनाथ क्षेत्र में उत्खनन संबंधी कार्य को आरंभ कराया था लंबे समय तक इतिहास के पन्नों में यह तथ्य दबा रहा। विगत वर्षों में जगत सिंह रॉयल फैमिली प्रोजेक्ट

शोध समिति के अथक परिश्रम और प्रामाणिक स्त्रोतों के आधार पर अब इसे आधिकारिक मान्यता मिल गई है विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय भारतीय इतिहास लेखन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। ज्ञातव्य रहे पिछले वर्ष पत्रांक संख्या ऋठङ्ग.ळ-17/10/ 2024- एए दिनांकित 26 दिसम्बर 2024 को सारनाथ परिसर में धर्मराजिका शिलापट्ट को भी संशोधित कर नया शिलापट्ट लगाया गया है। बाबू जगत सिंह शोध समिति के संरक्षक प्रदीप नारायण सिंह के अनुसार यह कार्य भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से संपन्न हुआ है। बाबू जगत सिंह रॉयल फैमिली शोध समिति ने उन प्रमाणित दस्तावेजों को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण नई दिल्ली के समक्ष रखा है जिसके आधार पर औपनिवेशिक शासन के समय से चली आ रही गलत मान्यता अब समाप्त हुई है। शिलापट्ट परिवर्तन कार्य में काशी के विद्वानों, विश्वविद्यालयों,महाविद्यालयों,जवाहर लाल नेहरू एवं कोलकाता विश्वविद्यालय,लखनऊ तथा पटना विश्वविद्यालय आदि के वर्तमान एवं अवकाश प्राप्त प्रवक्ताओं का हमें योगदान मिला है। वाराणसी गाइड एसोसिएशन एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण नई दिल्ली का भी हमें समर्थन मिला साथ ही काशी के धर्म गुरुओं, इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया,डिजिटल तथा आकाशवाणी का भी हमें समर्थन मिला है। उक्त योगदान और समर्थन के लिए हम आप सभी को हृदय से नमन करते हैं इस निर्णय से वाराणसी सहित पूरे देश में प्रसन्नता की लहर है। बाबू जगत सिंह की छठवीं पीढ़ी के वंशज प्रदीप नारायण सिंह ने कहा यह हमारे पूर्वजों के आशीर्वाद आप सभी के सहयोग व समर्थन का ही परिणाम है कि आज उनके ऐतिहासिक योगदान को देश ने स्वीकारा है। यह केवल हमारे परिवार व समिति के लिए ही नहीं अपितु वाराणसी के साथ ही देश की ऐतिहासिक विरासत के लिए भी गर्व का विषय है। श्री सिंह ने कहा हमारा शोध निरंतर जारी है आगे शीघ्र ही कुछ नए तथ्य प्रकाश में आएंगे,देश को उससे अवगत कराया जाएगा। पत्रकार वार्ता के दौरान शोध समिति के सदस्य,अधिवक्ता त्रिपुरारी शंकर,प्रोफेसर राणा पीबी सिंह,अरविंद कुमार सिंह एडवोकेट,अशोक आनंद,डॉ (मेजर) अरविंद कुमार सिंह,राजेंद्र कुमार दुबे वरिष्ठ पत्रकार,मनीष खत्री अवनीधर,एहसन अहमद,विकास एवं शमीम उपस्थित रहे।

धुंध में अनियंत्रित होकर खेत में जा घुसी कार, पेड़ से टकराने पर महिला समेत दो की मौत, चार घायल

जाकिर तुर्क

मेरठ। बागपत रोड पर जानी ब्लॉक के पास मंगलवार सुबह घना कोहरा एक दर्दनाक हादसे का कारण बन गया। धुंध के कारण तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में जा गिरी और पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार एक महिला और एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार जौनपुर जिले के एक कस्बे निवासी शेर बहादुर सिंह की पुत्री का विवाह जानी क्षेत्र के गांव नंदपुरा में हुआ था।

शादी समारोह में शामिल होने के लिए परिवार के लोग जौनपुर से आए

हुए थे। बताया जाता है कि सोमवार रात शादी में नाच-गाने का कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा।

इसके बाद परिवार के लोग मंगलवार सुबह करीब 5:30 बजे टाटा अल्ट्रोज कार से वापस लौटने के लिए नंदपुरा से मेरठ स्टेशन के लिए रवाना हुए थे, जहां से उन्हें जौनपुर के लिए ट्रेन पकड़नी थी।

जैसे ही कार जानी ब्लॉक के पास पीर के नजदीक पहुंची, रोड पर धुंध के कारण चालक का संतुलन बिगड़ गया। आशंका जताई जा रही है कि चालक को झपकी भी आ गई थी। इससे कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में जा गिरी और एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई।

हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। हादसे में सुमन पत्नी वीर बहादुर तथा रोहित पुत्र प्रकाश (34 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना मिलने पर थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। घायलों को उपचार के लिए मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

पुलिस के अनुसार कार में सवार सभी लोग जौनपुर के रहने वाले थे, जो शादी समारोह में शामिल होने के लिए जानी खुर्द क्षेत्र के गांव नंदपुरा आए थे।

श्री होलिका देवी महारानी के मेले में पहुंचे जिला अध्यक्ष रवि चौधरी स्थिति का लिया जाएगा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद में श्री हुल्का देवी महारानी जी के मेले में कुछ अराजक तत्वों ने माहौल खराब करने की कोशिश की, लेकिन सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष रवि चौधरी ने तत्काल पहुंचकर स्थिति को संभाला और सभी को आपसी भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मुरादाबाद में वर्षों से आयोजित हो रहा यह मेला क्षेत्र की आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक है और इसे किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं होने दिया जाएगा।

रवि चौधरी ने प्रशासन से मांग की कि मेले की शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, जिससे श्रद्धालु निर्भय होकर मेले में शामिल हो सकें।

उन्होंने कहा कि भारत की पहचान उसकी सांझी संस्कृति, आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द से है और किसी भी कीमत पर इसे कमजोर नहीं होने दिया जाएगा।

मेले में उपस्थित श्रद्धालुओं और दुकानदारों ने भी आपसी सौहार्द बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया और कहा कि यह मेला हमेशा से भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं होने दिया जाएगा। रवि चौधरी ने कहा कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करवाने का काम करेगी जो समाज की एकता और भाईचारे को तोड़ने का प्रयास करते हैं।

थाना अहमदगढ पुलिस द्वारा शातिर अभियुक्त को किया गया जिलाबदर

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। थाना अहमदगढ पुलिस द्वारा अभियुक्त रोबिन पुत्र सुनील निवासी ग्राम भैलई थाना अहमदगढ जनपद बुलंदशहर के विरूद्ध गुंडाएक्ट की कार्यवाही की गयी थी। जिनको जिलाधिकारी जनपद बुलन्दशहर द्वारा जिलाबदर घोषित किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में मंगलवार को थाना अहमदगढ पुलिस द्वारा जिला बदर अपराधी के विरूद्ध उसके निवास के स्थान पर मुनादी कराते हुए 06 माह के लिए जनपद की सीमा से बाहर किया गया हैं।

जिला बदर अपराधी रोबिन उपरोक्त के विरूद्ध थाना अहमदगढ पर पूर्व से मारपीट, छेड़छाड़, दुष्कर्म आदि के कुल 02 अभियोग पंजीकृत हैं। इस मौके पर थाना प्रभारी निरीक्षक प्रेमचंद शर्मा तथा थाने का पुलिस बल उपस्थित रहा।

क्षेत्राधिकारी शिकारपुर द्वारा थाना शिकारपुर का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। मंगलवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी शिकारपुर शशांक श्रीवास्तव द्वारा थाना शिकारपुर का अर्धवार्षिक निरीक्षण के दौरान थाना शिकारपुर पहुंचकर गार्द की सलामी ली गयी।

इसके उपरान्त थाना शिकारपुर कार्यालय के बन्दीगृह, अभिलेख, बीट बुक रजिस्टर, सीसीटीएनएस, शस्त्रागार, साफ-सफाई, मालखाना, मैस, आवासीय थाना परिसर, थाने में खडे वाहनों आदि को चेक किया गया, थाना प्रभारी शिकारपुर को अभिलेख पूर्ण करने, अभिलेखों का रखरखाव रखने, हिस्ट्रीशीटर अपराधियों की निगरानी रखने व थाना परिसर को स्वच्छ रखने एवं प्रतिदिन थानाक्षेत्र में भ्रमणशील रहकर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं महिला सम्बन्धी अपराधों पर रोकथाम आदि आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत

शिकारपुर। कोतवाली क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खंडवाया निवासी विनीत शर्मा पुत्र नरेंद्र शर्मा उम्र करीब 28 वर्ष अपनी मोटरसाइकिल से शिकारपुर नगर से अपने गांव खंडवाया जा रहा था जैसे वह चीखल मोड़ के पास पहुंचा मार्ग पर चीखल मोड़ के पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया और जमीन पर गिर गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दे दी गई सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने विनीत को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाली प्रभारी चंदगीराम ने बताया कि मृतक विनीत के शव का पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

जाड़ौल में जलभराव से ग्रामीण काफी परेशान हैं

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। खानपुर थाना क्षेत्र के जाड़ौल गांव में मुख्य रास्ते पर अक्सर पानी भरा रहता है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या की शिकायत कई बार संबंधित अधिकारियों और ग्राम सचिव से की जा चुकी है, लेकिन आज समस्या जस की तस है। समस्या के समाधान के लिए कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया गया है। बार-बार शिकायत करने के बावजूद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। जलभराव के कारण रास्ते से गुजरने वाले बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को इस जलभराव से निकलने में काफी परेशानी होती है, ।गंदा भरा रहने के कारण मच्छरों का साम्राज्य स्थापित हो गया है ।मंच्छर जनित बीमारियों का खतरा भी मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि अगर शीघ्र समस्या का समाधान ना कराया गया तो ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिलकर समस्या के समाधान को गुहार लगायेगा ।ताकि लोगों को राहत मिल सके और गांव के रास्ते पर जलभराव की समस्या समाप्त हो सके।

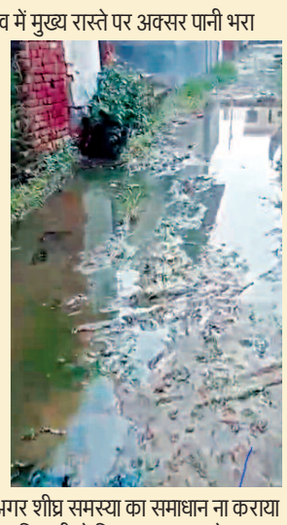

बिजली समस्याओं को लेकर कांग्रेस नेता ज्ञानेंद्र सिंह राघव ने एक्सईएन से की मुलाकात

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं कोऑर्डिनेटर ज्ञानेंद्र सिंह राघव ने मंगलवार को जहांगीराबाद विद्युत डिवीजन के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) एसके मिश्रा से मुलाकात कर क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं की विभिन्न समस्याओं को उठाया। उन्होंने अनूपशहर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को हो रही परेशानियों से अवगत कराते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।

ज्ञानेंद्र सिंह राघव ने मल्कपुर और तोली गांव में प्रस्तावित बिजलीघरों के निर्माण को जल्द शुरू कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मल्कपुर क्षेत्र के लोग लंबे समय से बिजलीघर की मांग कर रहे हैं, जिसे जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए ताकि क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति मिल सके।

इसके अलावा राघव ने मल्कपुर समेत कई गांवों में चल रहे केबलीकरण कार्य में ठेकेदार द्वारा कुछ स्थानों पर काम अधूरा छोड़ने की शिकायत भी की। उन्होंने इस मामले में अधिकारियों से जांच कराकर ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मीटर रीडिंग और बिजली चोरी की चेकिंग के नाम पर विद्युत घरों पर तैनात कुछ कर्मचारी व अधिकारी उपभोक्ताओं से अवैध वसूली कर रहे हैं। इस पर रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की। इस पर अधिशासी अभियंता एसके मिश्रा ने ज्ञानेंद्र सिंह राघव को आश्वस्त किया कि सभी समस्याओं का जल्द समाधान कराया जाएगा और उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

मुकदमे के गवाह को दबंग ने लाठी-डंडों से जमकर धुना

औरंगाबाद(वेलकम इंडिया)। नयी बस्ती कस्बा व थाना औरंगाबाद निवासी सादाब पुत्र शफीक ने लिखित तहरीर देकर पुलिस को अवगत कराया कि वह दुबई में रहने वाले सैयद मौहम्मद जावेद की संपत्ति और मकान आदि की देखरेख करता है। प्रार्थी 8 मार्च को दोपहर लगभग बारह बजे चौक सादात में किसी का इंतजार कर रहा था उसी समय वहां पर आमिर रिजवी पुत्र आदिल रिजवी बाइक पर सवार होकर आया और उसे टक्कर मारकर गिरा दिया। उसके बाद आमिर ने उसके साथ गाली-गलौच करते हुए लात घूसों से मारपीट शुरू कर दी। साथ ही कहा कि आज तुझे जान से मार डालूंगा ।तू बहुत कफील भाई के खिलाफ मुकदमे में गवाह बनता है। सादाब ने यह भी कहा कि वह किसी तरह आमिर के कब्जे से छूट कर इमामबाड़े में भागा तो आमिर ने पीछा करते हुए उसे पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट करने के साथ तीन लाख रुपए मांगे और कहा कि यदि तूने कफिल भाई के खिलाफ गवाही दी तो तेरी हत्या कर दूंगा। पीड़ित ने पुलिस को दी तहरीर में यह भी कहा है कि आमिर ने यह वारदात सैयद मौहम्मद कफील के इशारे पर ही की है।

तीन चोर गिरफ्तार, 25 हजार नकद, कॉपर तार व बाइक बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। थाना बीबीनगर पुलिस द्वारा एक अभिसूचना के आधार पर ग्राम सठला के पास से 03 शातिर चोरों को चोरी किये गये 25,000/- रुपये नकद, कॉपर का तार, अवैध चाकू एवं घटना में प्रयुक्त 01 बाइक सहित रोहित कुमार पुत्र देवराज सिंह निवासी ग्राम हिंगवाडा थाना बीबीनगर गौरव कुमार पुत्र राजकुमार निवासी ग्राम जवासा थाना खानपुर मनीष कुमार पुत्र ईश्वर सिंह निवासी ग्राम जवासा थाना खानपुर जनपद बुलंदशहर को गिरफ्तार किया गया।

अभियुक्तों की गिरफ्तारी व बरामदगी के संबंध में थाना बीबीनगर पर अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजें गए है।

जनपद में महिला आयोग की सदस्य का दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम 12 व 13 मार्च को

प्रतापगढ़(विजय द्विवेदी)। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के तहत जनपद प्रतापगढ़ का दौरा करेंगी। इस दौरान वह विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के साथ ही महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों की जनसुनवाई भी करेंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 12 मार्च को पूर्वाह्न 11 बजे वह विधानसभा विश्वनाथगंज क्षेत्र के ग्राम तेजगढ़ में आयोजित 7वां विशाल अवसान माता पूजन महोत्सव में शामिल होंगी। इसके बाद अपरान्ह 1:30 बजे बाबा घुइसरनाथ धाम पहुंचकर दर्शन-पूजन करेंगी। अपरान्ह 4:30 बजे वह इंटरनेशनल दिल्ली पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगी। इसके पश्चात शाम 6:20 बजे वह निरीक्षण भवन पहुंचेंगी। दिनांक 13 मार्च को पूर्वान्ह 11 बजे विकास भवन सभागार में महिला उत्पीड़न से संबंधित मामलों की जनसुनवाई की जाएगी, जिसमें पीड़ित महिलाएं अपनी समस्याएं सीधे महिला आयोग सदस्य के समक्ष रख सकेंगी। जनसुनवाई के बाद संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की जायेगी।

गर्भवती महिला से मारपीट का आरोप, कार्रवाई की मांग

मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव नाला निवासी एक व्यक्ति ने अपने पड़ोस के दो लोगों पर उसके साथ तथा उसकी गर्भवती पत्नी के साथ मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है ।मंगलवार को थाना क्षेत्र के गांव नाला निवासी विक्की पुत्र धीर सिंह ने बताया कि उसके पड़ोसी पीड़ित और उसके परिवार से पुरानी रंजिश रखते हैं। इसी रंजिश के चलते आरोपी आए दिन पीड़ित और उसके परिवार के साथ गाली-गलौज करते रहते हैं तथा कई बार मारपीट भी कर चुकी हैं। पीड़ित का आरोप है कि मंगलवार को पड़ोस के दो लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान उसकी गर्भवती पत्नी काजल बीच-बचाव करने और अपने पति को छुड़ाने के लिए मौके पर पहुंची, तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट कर दी। आरोप है कि आरोपियों ने महिला के पेट में लात मार दी, जिससे वह घायल हो गई ।शोर-शराबा होने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने अपनी गर्भवती पत्नी के साथ थाने पहुंचकर मामले की तहरीर पुलिस को देते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है कि मामले में तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है और जांच के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दीवान इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में 'नारी शक्ति' का शंखनाद, आत्मरक्षा प्रशिक्षण और शिक्षा पर हुआ विशेष संवाद

राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

मेरठ। दीवान वी.एस. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस (DVSGI) के चेयरमैन विवेक दीवान, कार्यकारी निदेशक कर्नल (डॉ.) नरेश गोयल एवं ग्रुप एडवाइजर डॉ. श्रुति अरोड़ा के कुशल मार्गदर्शन में दीवान इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (DIMS) द्वारा महिला सशक्तिकरण को समर्पित एक विशेष त्रि-चरणीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ गरिमामयी वातावरण में हुआ।

कार्यक्रम को तीन प्रमुख चरणों में आयोजित किया गया ।प्रथम चरणः शारीरिक सुदृढ़ता एवं आत्मरक्षा कार्यशाला सशक्तिकरण के प्रथम चरण

में छात्राओं और महिला शिक्षकों के लिए सेल्फ-डिफेंस वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

विशेषज्ञ टीम के सदस्य श्री राजीव कुमार एवं श्री अजय प्रताप ने आधुनिक तकनीकों के माध्यम से प्रतिभागियों को आत्मरक्षा के महत्वपूर्ण गुर सिखाए।

उन्होंने बताया कि विषम परिस्थितियों में किस प्रकार महिलाएं अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती हैं। इस सत्र का उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास और आत्मशक्ति का संचार करना रहा।

द्वितीय चरणः अकादमिक उत्कृष्टता का सम्मान कार्यक्रम के दूसरे चरण में संस्थान के प्राचार्य प्रो. डॉ. मुनेन्द्र कुमार ने बी.ए., बी.कॉम एवं बी.एड. विभागों की महिला संकाय सदस्यों को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्हें स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की गई।

तृतीय चरणः बौद्धिक संवाद एवं समाजशास्त्रीय विश्लेषण कार्यक्रम के अंतिम चरण में जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली की प्रख्यात वक्ता डॉ. अरुणा पारचा ने प्रथम-पीढ़ी के शिक्षार्थी शिक्षा के माध्यम से परिवारों का रूपांतरण' विषय पर प्रभावी व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि जब परिवार की पहली पीढ़ी की बेटी शिक्षा प्राप्त करती है तो वह केवल डिग्री नहीं हासिल करती, बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों के लिए अज्ञानता के अंधकार को समाप्त कर देती है।

अपर जिला जज/विशेष न्यायाधीश (एस.टी.एक्ट) नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न वादों का होगा त्वरित निस्तारण, अधिकारियों को दिए गए आवश्यक निर्देश

कपिल चौहान

गौतमबुद्धनगर। जनपद गौतमबुद्धनगर में आगामी 14 मार्च 2026 को जनपद मुख्यालय स्थित दीवानी न्यायालय तथा समस्त तहसील न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत में दीवानी वाद, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद, दाखिल खारिज एवं भूमि पट्टा संबंधी प्रकरण, बेगार श्रम संबंधी मामले, शमनीय प्रकृति के फौजदारी वाद, बैंक ऋण प्रकरण, राजस्व संबंधी मामले, वन भूमि संबंधी प्रकरण, भूमि अर्जन से संबंधित वाद, मोटर वाहन दुर्घटना मुआवजा दावे सहित विभिन्न प्रकार के मामलों का आपसी सुलह सहमति के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण किया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकतम वादों के त्वरित निस्तारण को सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से माननीय जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर अतुल श्रीवास्तव के निर्देशों के क्रम में अपर जिला जज/विशेष न्यायाधीश (एसटी एक्ट) एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत सोमप्रभा मिश्रा की अध्यक्षता में आज न्यायालय सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत ने कहा कि आम नागरिकों को सरल, सहज एवं त्वरित न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय लोक अदालत का नियमित आयोजन किया जाता है।

उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपने-अपने विभागों से संबंधित वादों का पूर्व चिन्हांकन कर समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करें, जिससे 14 मार्च को अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण संभव हो सके और नागरिकों को इसका अधिकतम लाभ प्राप्त हो।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उनके अधीन आने वाले सभी विभागों में लंबित वादों की अग्रिम पहचान कर त्वरित निस्तारण की तैयारी तत्काल प्रारंभ की जाए।

इसी क्रम में पुलिस एवं ट्रैफिक विभाग, एनपीसीएल, जिला लीड बैंक प्रबंधक, जिला पूर्ति विभाग तथा अन्य संबद्ध विभागों को भी व्यापक स्तर पर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में सचिव (पूर्णकालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवानी त्यागी, एडीसीपी (मुख्यालय) पूनम मिश्रा, एसीपी ट्रैफिक शकील मोहम्मद, मुख्य लेखा अधिकारी सुनील यादव, लेखाधिकारी सतीश चौहान, एएलडीएम, एनपीसीएल, जिला पूर्ति विभाग सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एहसास महिला समिति ने मनाया नौवां महिला दिवस, वरिष्ठ महिलाओं का हुआ सम्मान

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एहसास महिला समिति द्वारा अपना नौवां महिला दिवस समारोह बड़े उत्साह और गरिमा के साथ दुल्हन बैंक्वेट हॉल में आयोजित किया गया। इस वर्ष का आयोजन विशेष रूप से 60 वर्ष से अधिक आयु की वरिष्ठ महिलाओं को समर्पित रहा। कार्यक्रम में क्षेत्र की अनेक वरिष्ठ महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को संस्था के पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित कर उन्हें एहसास समिति के स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मोदीनगर की विधायक मंजू शिवाच रहीं, जबकि पिंक बूथ गाज़ियाबाद आयुक्तालय की मोदीनगर की अधिकारी उषा मलिक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का मंच संचालन एहसास की वरिष्ठ सदस्या सृष्टि गौर द्वारा किया गया। संस्था की सचिव तारिका माटा ने बताया कि एहसास महिला समिति का उद्देश्य महिलाओं के आत्मसम्मान को बढ़ाना और उन्हें समाज में सशक्त व सम्मानित स्थान दिलाना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में रीता बक्शी, बिंदु आत्रेय, वनीता खन्ना, नव्या विज, युवाक्षी कालरा, पूजा शर्मा, अपराजिता सिंह, आस्था गौर आदि का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर एहसास महिला समिति की संस्थापक अनुप्रीत कौर ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स कॉलेज में सात दिवसीय एन एस एस शिविर का शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, मोदीनगर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत 7 दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। यह शिविर 10 मार्च से 16 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें स्वयंसेविकाएं विभिन्न सामाजिक एवं जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लेंगी। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर पूनम शर्मा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया। इसके पश्चात एनएसएस इकाई की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री राखी शर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों एवं महत्व के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। इसके बाद स्वयंसेविकाओं द्वारा एनएसएस लक्ष्य गीत प्रस्तुत किया गया, जिससे पूरे वातावरण में सेवा और समर्पण की भावना का संचार हुआ। प्रातः सत्र में स्वयंसेविकाओं द्वारा श्रमदान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। छात्राओं ने परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। श्रमदान के उपरांत स्वयंसेविकाओं को अल्पाहार प्रदान किया गया। दोपहर के सत्र में छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण विषय पर पोस्टर बनाकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। इसके पश्चात सभी स्वयंसेविकाओं को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा ह्लसेव एनवायरनमेंटह्व विषय पर जागरूकता रैली निकाली गई, जिसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर पूनम शर्मा के संरक्षण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन महाविद्यालय की चारों एनएसएस इकाइयों की कार्यक्रम अधिकारियों– डॉ. आकांक्षा सारस्वत, सुश्री शालू देवी, सुश्री राखी शर्मा एवं सुश्री ऐश्वर्या बहुगुणा द्वारा किया गया।

एमआईईटी में 84 शिक्षकों ने लिया इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड फैकल्टी एनेबलमेंट प्रोग्राम में हिस्सा

इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड के साथ एमआईईटी में शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी), मेरठ में इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड के सहयोग से आयोजित फैकल्टी एनेबलमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ सोमवार को किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को उद्योग से संबंधित नवीनतम ज्ञान, आधुनिक शिक्षण पद्धतियों तथा उभरती तकनीकों की जानकारी देकर उन्हें और अधिक सक्षम बनाना है, ताकि शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम किया जा सके। तीन दिवसीय यह कार्यक्रम 9 मार्च 2026 से 11 मार्च 2026 तक एमआईईटी में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में कुल 84 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिससे यह शिक्षकों के लिए एक अत्यंत उपयोगी, संवादात्मक और ज्ञानवर्धक मंच सिद्ध हो रहा है। कार्यक्रम में इन्फोसिस की विशेषज्ञ वक्ता डिंपल भसीन, स्पेशलिस्ट झ्र लर्निंग (एजुकेशन, ट्रेनिंग एंड असेसमेंट यूनिट) तथा नेहा अंतिल, सीनियर एसोसिएट (एजुकेशन, ट्रेनिंग एंड असेसमेंट यूनिट) द्वारा प्रतिभागियों को उद्योग की आवश्यकताओं, नई तकनीकों और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर संस्थान के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल, कैंपस निदेशक डॉ. संजय कुमार सिंह, डीन एकेडमिक्स डॉ. एस. के. सिंह तथा कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विकास श्रीवास्तव उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम शिक्षकों को नई तकनीकों और उद्योग की अपेक्षाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का संयोजन एसोसिएट डीन (ट्रेनिंग) गौरव कंसल द्वारा किया जा रहा है। वहीं इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड के एसपीओसी डॉ. सतेंद्र कुमार तथा कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के अंकुश गुप्ता के समन्वय से कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को नवीनतम तकनीकी ज्ञान से लैस कर विद्यार्थियों को उद्योग के अनुरूप शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मानवतापुरी कॉलोनी के लोगों लोगों ने अतिक्रमण हटाए जाने की मांग की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। मानवतापुरी कॉलोनी के लोगों ने 8 फीट चौड़ी गली में बाहर की ओर खुलने वाले दरवाजों व अवैध वाहन खड़े किए जाने से हो रहे अतिक्रमण को हटाए जाने की मांग की है। सारा रोड, मानवतापुरी के लोगों ने थाना प्रभारी निरीक्षक को दिए पत्र में कहा है कि गली नं. 4, मस्जिद के सामने, गली नंबर चौड़ाई लगभग 8 फीट है। गली में कुछ मकानों के दरवाजे बाहर की और (गनी में) खुलते हैं, जिससे रास्ता अत्यंत संकरा हो जाता है। इसके अतिरिक्त गली में टेम्पो, भैंसा-बुग्गी, कार आदि वाहन खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे आम रास्ता पूर्णतः बाधित हो जाता है। इस कारण गली वासियों को आने-जाने में अत्यधिक कठिनाई होती है तथा किसी आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस या फायर ब्रिगेड का प्रवेश संभव नहीं हो पाता। कई बार समझाने के बावजूद संबंधित व्यक्ति समस्या का समाधान करने को तैयार नहीं हैं।

थाना प्रभारी निरीक्षक से निवेदन किया है कि मौके पर जांच कर आवश्यक कानूनी कार्यवाही करने की कृपा करें, ताकि गली वासियों को राहत मिल सके।

लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर को पाकिस्तान से जान से मारने की धमकी

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के लोनी से बीजेपी विधायक नंदकिशोर गुर्जर को पाकिस्तान के पेशावर से व्हाट्सएप कॉल के जरिए धमकी मिलने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि कॉल करने वाले शख्स ने कहा कि सलीम वास्तिक पर हमला करने वाले आरोपियों को शहीद कर दिया गया है और अब विधायक को किसी सभा में बम से उड़ाने की धमकी दी है।

धमकी देने वाले ने दिल्ली में हुई कार्रवाई का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को भी नहीं छोड़ेंगे। दरअसल कुछ दिन पहले गाजियाबाद के लोनी इलाके में यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर जानलेवा हमला हुआ था। इस मामले में पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान हमले के आरोपी दो सगे भाइयों को ढेर कर दिया था। इसी एनकाउंटर के बाद अब विधायक को धमकी मिलने का मामला सामने आया है। विधायक नंदकिशोर गुर्जर का कहना है कि वे इस पूरे मामले को लेकर गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर को पत्र लिख रहे हैं, ताकि इस मामले में कढ़ाई से कार्यवाही हो।

जीडीए की बड़ी कार्रवाई: प्रवर्तन जोन-1 में अवैध निमार्णों पर चला प्राधिकरण का शिकंजा, कई वेयरहाउस किए सील

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद शहर में अवैध निमार्णों के खिलाफ अभियान चलाते हुए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने मंगलवार को प्रवर्तन जोन-1 के अंतर्गत कई निमार्णों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें सील बंद कर दिया। यह कार्रवाई प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल के निर्देश पर की गई। प्राधिकरण की टीम ने प्रभारी प्रवर्तन जोन-1 के नेतृत्व में ग्राम ढरगल वरदान रोड, गाजियाबाद स्थित खसरा संख्या-129 पर श्री दीपक अग्रवाल द्वारा लगभग 600 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बने वेयरहाउस को सील कर दिया। इसके साथ ही ग्राम ढरगल में श्री हेमंत द्वारा निर्मित स्कार्ड लाइन वेयरहाउस पर भी प्राधिकरण ने कार्रवाई करते हुए सीलिंग की कार्रवाई की।

राजनगर एक्सटेंशन क्षेत्र में भी कार्रवाई

अभियान के दौरान राजनगर एक्सटेंशन क्षेत्र में भी अवैध निमार्णों पर प्राधिकरण ने शिकंजा कसा। यहां धर्म कांटा, हितेशी हाइट्स के सामने भट्टा नंबर-05 रोड, सिकरोड पर चौधरी भरत सिंह व अन्य द्वारा लगभग 3000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में किए जा रहे निर्माण को सील कर दिया गया। इसी क्रम में बाल जगत स्कूल के सामने भट्टा नंबर-05 रोड, सिकरोड पर श्री प्रणय गुप्ता द्वारा लगभग 2000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बने शेड को भी प्राधिकरण ने सील कर दिया।

सीलिंग के दौरान हुआ विरोध

कार्रवाई के दौरान कुछ स्थानीय निर्माणकताओं ने विरोध भी किया, लेकिन मौके पर मौजूद स्थानीय पुलिस बल और प्राधिकरण पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया और सीलिंग की प्रक्रिया पूरी कराई।

मौके पर मौजूद रहे अधिकारी

सीलिंग की कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, सुपरवाइजर/मेट, स्थानीय पुलिस बल और प्राधिकरण पुलिस मौके पर मौजूद रहे।

बिना मानचित्र के निर्माण पर सख्त चेतावनी

प्राधिकरण के सहायक अभियंता (प्रवर्तन जोन-1) ने मौके पर मौजूद लोगों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि बिना स्वीकृत मानचित्र के किसी भी प्रकार का निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे निमार्णों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

महिला दिवस पर वैशाली में मुफ्त ओपीडी की शुरूआत

हर रोज शाम 6 से 8 बजे तक मरीजों को दी जाएंगी स्वास्थ्य सेवाएं

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वैशाली क्षेत्र में सामाजिक संस्था रीति फाउंडेशन द्वारा एक सराहनीय पहल की गई। संस्था के सहयोग से मंगलवार को डॉ. नरेंद्र सरस्वत द्वारा संचालित एक निःशुल्क ओपीडी की शुरूआत की गई, जिसका उद्घाटन क्षेत्रीय पार्षद कुसुम गोयल और पूर्व पार्षद मनोज गोयल ने संयुक्त रूप से किया। इस ओपीडी के माध्यम से क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों को प्रतिदिन मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान पार्षद कुसुम गोयल ने उपस्थित सभी लोगों को महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं और इस पहल को समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं हर व्यक्ति का मूल अधिकार हैं और इस प्रकार की पहल से खासतौर पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने डॉ. नरेंद्र सरस्वत और रीति फाउंडेशन की पूरी टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में इस तरह के सामाजिक कार्य लोगों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह ओपीडी लंबे समय तक चलती रहेगी और अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों को इसका लाभ मिलेगा। पूर्व पार्षद मनोज गोयल ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र में मुफ्त ओपीडी की शुरूआत एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे उन लोगों को काफी राहत मिलेगी जो आर्थिक कारणों से समय पर चिकित्सा सुविधा नहीं ले पाते। उन्होंने कहा कि समाज में डॉक्टरों और सामाजिक संस्थाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है और ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक साबित होते हैं। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को बताया गया कि यह मुफ्त ओपीडी प्रतिदिन शाम 6 बजे से 8 बजे तक संचालित की जाएगी, जिसमें मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श और प्राथमिक उपचार की सुविधा दी जाएगी। ओपीडी के माध्यम से क्षेत्र के बुजुर्गों, महिलाओं और जरूरतमंद लोगों को विशेष रूप से लाभ मिलने की उम्मीद है।

कार्यक्रम के दौरान कई सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोग भी मौजूद रहे।

आईटीएस में 'यंग इंडिया मंथन सीरीज' का दूसरा सत्र आयोजित

छात्रों ने सिविल सेवा, कूटनीति और वैश्विक मंचों पर भारत की भूमिका पर पूछे सवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस यूजी कैंपस, मोहन नगर में मंगलवार को 'यंग इंडिया मंथन सीरीज' के दूसरे सत्र का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को शासन, प्रशासन और लोकसेवा से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों के अनुभवों से अवगत कराना और उनसे संवाद का अवसर प्रदान करना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के अधिकारी और गाजियाबाद के क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरूप उपस्थित रहे, जिन्होंने छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा किए और उन्हें करियर के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, मुख्य अतिथि अनुज स्वरूप, डायरेक्टर (पीआर) सुरेंदर सूद, यूजी कैंपस की प्रिंसिपल डॉ. नैंसी शर्मा, आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. अजय कुमार तथा आईटीएस मोहन नगर के निदेशक डॉ. सुनील कुमार पांडेय द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

विशिष्ट बीटीसी 2004 के शिक्षकों की पुरानी पेंशन की मांग तेज

अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में पूर्व उपमुख्यमंत्री से की मुलाकात

वेलकम इंडिया संवाददाता

नई दिल्ली/गाजियाबाद। विशिष्ट बीटीसी 2004 के शिक्षकों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिलाने की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। इसी मुद्दे को मंगलवार को लेकर अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय के नेतृत्व में एक राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली स्थित आवास पर पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने उनसे अनुरोध किया कि उत्तर प्रदेश में विशिष्ट बीटीसी 2004 के चयनित शिक्षक-शिक्षिकाओं को पुरानी पेंशन योजना के दायरे में लाने के लिए प्रभावी पहल की जाए। प्रतिनिधिमंडल में शामिल राष्ट्रीय सचिव डॉ. अनुज त्यागी ने इस दौरान विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2004 में परिषदीय विद्यालयों में सहायक अध्यापक के 46,189 पदों पर बी.एड और एल.टी. योग्यता धारी अभ्यर्थियों का चयन किया गया था। चयनित अभ्यर्थियों को विशिष्ट बीटीसी प्रशिक्षण के लिए प्रदेश के सभी जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थानों में 2 अगस्त 2004 से प्रशिक्षण प्रारंभ कराया गया था। प्रशिक्षण अवधि के दौरान उन्हें प्रतिमाह 2500 रुपये का मानदेय (स्टाइपेंड) भी दिया गया था।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने 1 जनवरी 2004 से नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) लागू किया था, जबकि उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे 1 अप्रैल 2005 से प्रदेश में लागू किया। लेकिन ऐसे अभ्यर्थी जिनकी चयन प्रक्रिया एनपीएस लागू होने से पहले पूरी हो चुकी थी और जिनकी नियुक्ति बाद में हुई, उन्हें पुरानी या नई पेंशन योजना में से किसी एक का विकल्प चुनने का अवसर देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न तिथियों पर कार्यालय ज्ञापन जारी किए गए। डॉ. अनुज त्यागी के अनुसार केंद्र सरकार ने 5 मार्च 2008, 17 फरवरी 2020, 25 जून 2020 और 31 मार्च 2021 को जारी कार्यालय ज्ञापनों के माध्यम से ऐसे कर्मचारियों को विकल्प चुनने का अवसर दिया था, जिनकी चयन प्रक्रिया 1 जनवरी 2004 से पहले पूरी हो चुकी थी लेकिन उनकी नियुक्ति बाद में हुई थी।

विधान परिषद नियम पुनरीक्षण समिति की बैठक, तीन जिलों के विकास कार्यों की हुई समीक्षा

सभापति हरिओम पाण्डेय की अध्यक्षता में विकास भवन में हुई बैठक, अधिकारियों ने प्रस्तुत की तीन वर्षों की रिपोर्ट

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की नियम पुनरीक्षण समिति की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विधान परिषद के सभापति हरिओम पाण्डेय ने की, जिसमें गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर और गाजियाबाद जनपद से जुड़े विभिन्न प्रशासनिक और विकासात्मक बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक से पहले विकास भवन परिसर में सभापति श्री हरिओम पाण्डेय का आगमन होने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद आयोजित बैठक में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़, नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सचिव विवेक कुमार मिश्र सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान अधिकारियों ने सभापति हरिओम पाण्डेय तथा समिति के सदस्यों मोहित बेनिवाल और ऋषिपाल सिंह का पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह और पटका भेंट कर स्वागत किया। बैठक में जनपद से संबंधित विभिन्न प्रशासनिक और विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। समिति के समक्ष पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों और उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया गया। इसमें विशेष रूप से विधान परिषद और विधान सभा के सदस्यों से प्राप्त पत्रों के निस्तारण, विकास निधि से कराए गए कार्यों, 'एक जिला एक उत्पाद' योजना की प्रगति, विधान परिषद की विभिन्न समितियों की बैठकों के अनुपालन, प्रश्नों के उत्तर, नियमों के तहत प्राप्त सूचनाओं और शिकायतों के निस्तारण की जानकारी दी गई।

अधिकारियों ने समिति को अवगत कराया कि पिछले तीन वर्षों में विभिन्न विभागों को विधान परिषद और विधान सभा के सदस्यों से कुल 283 पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 280 का मौके पर ही गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर दिया गया है, जबकि तीन मामले अभी

लंबित हैं। इसी अवधि में विधान मंडल क्षेत्र विकास निधि योजना के अंतर्गत 1059 विकास कार्य पूरे कराए गए हैं।

बैठक में यह भी बताया गया कि 'एक जिला एक उत्पाद' योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूरा किया गया है। पिछले तीन वर्षों के दौरान विधान परिषद की विभिन्न समितियों की कुल 18 बैठकें जनपद में आयोजित हुईं, जिनमें समिति द्वारा पूछे गए 111 प्रश्नों के उत्तर समय पर उपलब्ध कराए गए। इसके अलावा विधान परिषद के विभिन्न नियमों के अंतर्गत प्राप्त 23 सूचनाओं के जवाब भी समय से भेजे गए। अधिकारियों ने बताया कि इस अवधि में विधान परिषद से 23 याचिकाएं प्राप्त हुई थीं, जिनमें से 22 का समय पर निस्तारण कर दिया गया है, जबकि एक मामले पर कार्यवाही जारी है। विशेषाधिकार हनन का कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है। इसके अतिरिक्त जनप्रतिनिधियों से प्राप्त 242 शिकायतों में से 240 का समाधान कर दिया गया है, जबकि दो शिकायतें अभी प्रक्रिया में हैं।

बैठक के दौरान सभापति हरिओम पाण्डेय ने जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद प्रशासन द्वारा कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। विशेष रूप से नगर निगम द्वारा स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं और अन्य विभागों को भी नगर निगम की तर्ज पर अपने कार्यों में सुधार करना चाहिए।

समिति के सदस्यों ने भी विभिन्न विकास योजनाओं और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर अपने सुझाव दिए। एक सदस्य ने कहा कि विकास कार्यों से जुड़े प्रस्तावों को शासन को भेजने से पहले उनकी गहन जांच कर ली जानी चाहिए, ताकि उनके अस्वीकृत होने की संभावना कम हो सके और योजनाओं को समय पर स्वीकृति मिल सके। सभापति ने शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की भी विशेष रूप से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर और प्रशंसनीय कार्य हो रहे हैं, जो आने वाले समय में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा और विकास के क्षेत्र में निरंतर प्रयासों से जनपद की प्रगति और तेज होगी।

बैठक के अंत में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समिति द्वारा दिए गए सुझावों और निदेशों का पूरी गंभीरता के साथ पालन किया जाएगा और प्रशासनिक कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

सवर्ण महासभा द्वारा संशोधित-यूजीसी के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान

सवर्ण समाज वेंटिलेटर पर: बीके शर्मा हनुमान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सिटी होटल अंबेडकर रोड पर सवर्ण महासभा के तत्वाधान में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें यूजीसी के नए कानून को लेकर विरोध जताया. इस दौरान सवर्ण महासभा के प्रवक्ता बीके शर्मा हनुमान ने बताया कि जल्द ही एक महापंचायत का आयोजन किया जाएगा और एकत्र होकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया. जाएगा सवर्ण महासभा ने इसे काला कानून बताते हुए वापस लेने की मांग की और कहा कि यह कानून शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के बजाय समाज को जाति और वर्ग के आधार पर विभाजित करने का काम करेगा. इससे सामाजिक समरसता और समान अवसर की भावना को गहरा आघात पहुंचेगा. यूजीसी को लेकर सवर्ण समाज वेंटिलेटर पर आ गया है,

महासभा के संयोजक सेवाराम त्यागी, वीके अग्रवाल, विनय कक्कड़, विवेक तोमर, सुरेश शर्मा द्वारा संयुक्त निर्णय लिया गया कि अब की बार यूजीसी पर सवर्ण महासभा आर पार की लड़ाई लड़ेगा और गाजियाबाद में एक सवर्ण महासभा के तत्वाधान में विशाल महापंचायत का आयोजन किया जाएगा सरकार सवर्ण समाज की एकता की शक्ति को वह नहीं दबा सकती है। अब सवर्ण समाज अपने उपर हो रहे अन्याय व अत्याचार को बर्दाश्त नहीं करेगा क्योकि अब अन्याव व अत्याचार उनके बच्चों पर होने जा रहा है। केंद्र सरकार ने यूजीसी के माध्यम से सवर्ण समाज के बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित कर उनके बच्चों का भविष्य अंधकारमय बनाकर समाज को बर्बाद करने का षडयंत्र रचा है। कोर्ट के आदेश के बाद भी केंद्र सरकार द्वारा यूजीसी प्रावधानों को वापस ना लिया जाना इस बात का सबूत है कि केंद्र सरकार नहीं चाहती है कि सवर्ण समाज आगे बढे और समाज के बच्चे विकास करें। इसीलिए उसने सवर्ण समाज को बर्बाद करने के लिए यूजीसी को हथियार बनाया, मगर सवर्ण समाज अब चुप बैठने वाला नहीं है और अपनी एकजुटता के बल पर सरकार को इस षडयंत्र को वापस लेने या सत्ता से बाहर होने के लिए मजबूर कर देगा। इस अवसर पर स्वरूपचंद शर्मा,हरिओम त्यागी, उमेश गर्ग, नरेंद्र गुप्ता नंदी, राकेश गुप्ता, सतीश चोपड़ा, कुलदीप शर्मा, कल्याण देवत्यागी, प्रेमचंदत्यागी, धनप्रकाशत्यागी, अनिलत्यागी, सोमेंद्र त्यागी, हरिओम त्यागी, राकेश शर्मा सदरपुर, मनोजत्यागी, श्रद्धानंद त्यागी, देवेंद्र शर्मा, संजय चौहान, अशोक भारतीय, एनके गोयल आरके गोयल, बृजमोहन त्यागी, सुरेंद्र पाल त्यागी, एसके मिश्रा, डॉ एस के शर्मा विजयनगर, सुनील निगम, प्रभात त्यागी, सैकड़ो योद्धा उपस्थित थे।

गाजियाबाद में जनगणना-2027 के लिए अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जनगणना-2027 की तैयारियों के तहत जनपद स्तर पर अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) सौरभ भट्ट ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश के निदेर्शानुसार 9 और 10 मार्च 2026 को नगर निगम के सदन कक्ष में जनपद स्तरीय अधिकारियों, चार्ज अधिकारियों और उनके नियमित लिपिकीय सहायकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रभारी अधिकारी जनगणना एवं मास्टर ट्रेनर संतोष उपाध्याय ने उपस्थित अधिकारियों को जनगणना के रोडमैप की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनगणना का कार्य दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण और मकानों

की गणना का कार्य मई-जून 2026 में 30 दिनों की अवधि में पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मकान सूचीकरण के अंतर्गत पूरा गांव या गांव का कोई भाग शामिल हो सकता है, जबकि शहरी क्षेत्रों में किसी वार्ड का स्पष्ट सीमांकित हिस्सा शामिल किया जाएगा। प्रत्येक प्रगणक को एक या एक से अधिक गणना ब्लॉक सौंपे जाएंगे, जिनमें लगभग 150 से 180 परिवार या 650 से 800 तक की आबादी शामिल होगी। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि जनगणना-2027 पूरी तरह डिजिटल होगी। आम नागरिक भी डिजिटल माध्यम से जनगणना से जुड़े प्रश्नों का उत्तर देकर स्वयं को इसमें शामिल कर सकेंगे। नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी का बाद में प्रगणक द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन किया जाएगा। जनपद में जनगणना कार्य के लिए 16 चार्ज अधिकारी, 4 मास्टर ट्रेनर और 134 फील्ड ट्रेनर नियुक्त किए गए हैं। इनके मार्गदर्शन में 10,025 प्रगणक मकान सूचीकरण का कार्य करेंगे। वहीं प्रत्येक छह प्रगणकों के कार्य की निगरानी के लिए 1,671 सुपरवाइजर नामित किए जाएंगे। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को जनगणना कार्य में उपयोग होने वाले मोबाइल एप और सीएमएसएस पोर्टल के संचालन की जानकारी भी दी गई। साथ ही मकान गणना के दौरान पूछे जाने वाले विभिन्न प्रश्नों और डेटा संग्रह की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से बताया गया, ताकि जनगणना का कार्य सुचारु रूप से पूरा किया जा सके।

जनता दर्शन में जिलाधिकारी ने सुनी जन समस्याएं

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनता दर्शन के दौरान जनसुनवाई की गयी। जन सुनवाई के दौरान राजस्व विभाग, जीडीए, नगर निगम, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अधिकारियों को शासन के मंशा अनुरूप त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने के आदेश दिये। इसी क्रम में मुख्यमंत्री महोदय के निदेर्शानुसार 'जनता दर्शन' / जनसुनवाई की सीधे सीएम ऑफिस उत्तर प्रदेश से लाइव कनेक्टिविटी के माध्यम से मॉनिटरिंग की जा रही है। जिलाधिकारी महोदय ने जनमानस की सुविधा हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया हुआ है कि सभी कार्य दिवस में सुबह 10 से 12 बजे जन शिकायतें सुनेंगे और उनके साथ जूम

पर लाइव रहेंगे।

जनता दर्शन के दौरान एडीएम जे अंजुम बी. सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गाजियाबाद में नहीं बढ़ेगा हाउस टैक्स, फिलहाल पुरानी दरों पर ही होगी वसूली

जल्द पूरी होगी औपचारिक प्रक्रिया, नगर निगम फिलहाल पुरानी दरों पर ही वसूलेगा टैक्स

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर में हाउस टैक्स को लेकर चल रही चचाओं के बीच गाजियाबाद नगर निगम ने बड़ी राहत भरी खबर दी है। फिलहाल शहर में हाउस टैक्स की दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी और नागरिकों से पुरानी दरों के अनुसार ही टैक्स वसूला जाएगा। इस संबंध में महापौर सुनीता दयाल ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक कर गाजियाबाद में हाउस टैक्स से जुड़े सभी मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जब तक प्रक्रिया और औपचारिकताएं पूरी नहीं हो जातीं, तब तक नगर निगम द्वारा हाउस टैक्स पुरानी दरों के अनुसार ही वसूला जाएगा। इससे शहरवासियों को फिलहाल राहत मिलेगी। अधिकारियों ने बताया कि इस निर्णय को लागू करने की प्रक्रिया जल्द ही पूरी कर ली जाएगी, जिसके बाद इसकी औपचारिक घोषणा भी की जाएगी।

महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि शहर में हाउस टैक्स बढ़ने की आशंकाओं को लेकर लोगों में चिंता का माहौल था। ऐसे में जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए उन्होंने लखनऊ जाकर उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की और पूरे मामले को विस्तार से रखा।

उन्होंने बताया कि सरकार और शासन स्तर पर हुई चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया है कि अभी हाउस टैक्स की दरों में वृद्धि नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि वे शुरू से ही जनहित के मुद्दों को लेकर संघर्षशील रही हैं और आगे भी शहरवासियों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए निर्णय लेती रहेंगी। महापौर ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहर के विकास के साथ-साथ नागरिकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ न पड़ने देना भी है। महापौर सुनीता दयाल ने इस निर्णय के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, प्रदेश सरकार और शासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए गाजियाबाद की जनता को राहत देने का निर्णय लिया है, जिसके लिए वे मुख्यमंत्री और शासन के प्रति आभारी हैं।

शहर में पिछले कुछ समय से हाउस टैक्स बढ़ने को लेकर विभिन्न स्तरों पर चचाएं चल रही थीं। कई सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने भी इस मुद्दे को उठाया था।

ऐसे में महापौर द्वारा लखनऊ जाकर उच्च अधिकारियों के साथ बैठक करना और उसके बाद हाउस टैक्स की दरें फिलहाल न बढ़ाने का निर्णय लिया जाना शहरवासियों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में इस संबंध में सभी आवश्यक प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएंगी और इसके बाद नगर निगम द्वारा आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी।

फिलहाल नागरिकों को पुरानी दरों पर ही हाउस टैक्स जमा करना होगा। शहर के नागरिकों ने भी इस फैसले का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी जनहित को ध्यान में रखते हुए ऐसे ही निर्णय लिए जाएंगे। महापौर ने आश्वस्त किया कि नगर निगम शहर के विकास के साथ-साथ नागरिकों की सुविधाओं और हितों को ध्यान में रखते हुए काम करता रहेगा।

गाज़ियाबाद सीएसआर एवं सतत विकास सम्मेलन 2026 में सरकार-उद्योग ने मिलकर बनाई विकास की रूपरेखा

सीडीओ अभिनव गोपाल के नेतृत्व में गाज़ियाबाद में सीएसआर और सतत विकास पर बड़ा मंच आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाज़ियाबाद। गाज़ियाबाद सीएसआर एवं सतत विकास सम्मेलन 2026 का सफल आयोजन जिला प्रशासन गाज़ियाबाद और सार्थक कलेक्टिव (नई दिल्ली स्थित एक रणनीति एवं सतत विकास परामर्श संस्था) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस सम्मेलन में सरकार, कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) टीमों, सामाजिक संगठनों और विकास क्षेत्र के विशेषज्ञों ने भाग लेकर जिले में समावेशी और सतत विकास के लिए सहयोगात्मक पहलों पर विचार-विमर्श किया। इस आयोजन को कई प्रमुख कॉरपोरेट साझेदारों का सहयोग प्राप्त हुआ। डाबर इस पहल के मुख्य

प्रायोजक रहे, जबकि कॉन्टिनेंटल कार्बन ने आतिथ्य सहयोगी के रूप में योगदान दिया। श्रीराम पिस्टन्स एंड रिंग्स लिमिटेड ने परिवहन सहयोगी, एचडीएफसी बैंक ने बैंकिंग सहयोगी, समरकूल ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम सहयोगी और हमदर्द लैबोरेट्रीज ने स्वास्थ्य सेवा सहयोगी के रूप में योगदान दिया।

इसके अतिरिक्त सहयोगी प्रायोजकों के रूप में रेबन फूड्स और अल्लाना समूह ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम को पुरवा फाउंडेशन, पीपल टू पीपल हेल्थ फाउंडेशन, सेंटर फॉर ग्रोवर-सेंट्रिक इको वैल्यू मैकेनिज्म्स, सस्टेनिको टेक्नोलॉजीज और इनोलॉजिकल जैसे संगठनों का संस्थागत समर्थन प्राप्त हुआ। सम्मेलन में जिला प्रशासन, उद्योग जगत, सीएसआर प्रमुखों और विकास क्षेत्र के प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम का संचालन मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल के सक्रिय मार्गदर्शन और नेतृत्व में किया गया, जिनकी उपस्थिति ने चचाओं को ठोस परिणामों की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में डॉ. उपासना अरोड़ा, प्रबंध निदेशक, यशोदा मेडिसिटी, श्री सौरभ लाल, कार्यकारी निदेशक (वैश्विक संचालन), डाबर इंडिया तथा श्वेता शर्मा कुकरेजा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक, सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन सहित अनेक प्रमुख उद्योग और विकास क्षेत्र के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य गाज़ियाबाद जिले की प्रमुख विकासात्मक प्राथमिकताओं – जैसे शिक्षा सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच, पर्यावरणीय स्थिरता, कृषि एवं पशुपालन आधारित आजीविका और शहरी-ग्रामीण संतुलन – के साथ कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व निवेशों को जोड़ने के लिए एक जिला स्तरीय मंच तैयार करना था। इस संवाद के माध्यम से ह्लगाज़ियाबाद सामाजिक कार्ययोजनाह्व विकसित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की गई।

महापौर सुनीता दयाल के निर्णय का राष्ट्रीय लोकदल ने किया स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोगी दल राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने गाजियाबाद नगर निगम की महापौर सुनीता दयाल द्वारा हाउस टैक्स को पुरानी दरों पर ही जमा कराने के निर्णय का स्वागत किया है।

राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के मेरठ मंडल प्रभारी इन्द्रजीत सिंह टीटू ने बयान जारी कर कहा कि महापौर ने गाजियाबाद की जनता के हितों और भावनाओं को ध्यान में रखते हुए एक मजबूत और सराहनीय फैसला लिया है।

उन्होंने कहा कि पिछले कई दिनों से हाउस टैक्स की नई दरों को लेकर शहर में असमंजस की स्थिति बनी हुई थी और इस विषय पर लगातार

बैठकों का दौर चल रहा था। जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ आम नागरिक भी चाहते थे कि महापौर शहर की जनता के साथ खड़ी हों।

इन्द्रजीत सिंह टीटू ने कहा कि महापौर सुनीता दयाल ने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए यह घोषणा की है कि हाउस टैक्स पुरानी दरों के अनुसार ही जमा किया जाएगा। उन्होंने इस फैसले को गाजियाबाद की जनता के हित में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए महापौर को बधाई दी।

उन्होंने उम्मीद जताई कि इस निर्णय से शहर के लाखों करदाताओं को राहत मिलेगी और नगर निगम तथा जनता के बीच विश्वास भी मजबूत होगा।